



वेनेजुएला ने की राउल कास्त्रो के खिलाफ अमेरिकी गिरफ्तारी वारंट की निंदा, क्यूबा के समर्थन की अपील

काराकास

वेनेजुएला की सत्तारूढ़ यूनाइटेड सोशलिस्ट पार्टी (पीएसयूवी) ने क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो के खिलाफ अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य में जारी गिरफ्तारी वारंट की निंदा की है। पार्टी ने इसे क्यूबा के नेतृत्व को डराने की कोशिश बताते हुए लैटिन अमेरिकी और कैरेबियाई देशों से क्यूबा के समर्थन में आगे आने की अपील की है।

तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलु के मुताबिक, बयान में पीएसयूवी ने क्यूबा के प्रति एकजुटता व्यक्त करते हुए गिरफ्तारी वारंट को खारिज किया। पार्टी का

कहना है कि यह कदम अंतरराष्ट्रीय कानून और क्यूबा की संप्रभुता का उल्लंघन है तथा इसका कोई वैध कानूनी आधार नहीं है।

पार्टी ने इस मामले को हवाना पर बढ़ते अमेरिकी दबाव से जोड़ते हुए कहा कि जनवरी से क्यूबा के खिलाफ अमेरिकी आर्थिक प्रतिबंध और सख्त हुए हैं, जिससे वहां की जनता पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। पीएसयूवी ने क्यूबा की स्वतंत्रता और उसके लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार के प्रति अपना समर्थन भी दोहराया।

राउल कास्त्रो के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट का संबंध वर्ष 1996 में मियामी स्थित क्यूबा के

निर्वासित संगठन ब्रदर्स टू द रेस्क्यू के दो नागरिक विमानों को मार गिराए जाने की घटना से है। इस घटना में चार लोगों की मौत हुई थी। घटना के समय राउल कास्त्रो क्यूबा के रक्षा मंत्री थे। अमेरिकी अधिकारियों का आरोप है कि विमानों को गिराए जाने की कार्रवाई को मंजूरी देने में उनकी भूमिका थी।

फ्लोरिडा के अटार्नी जनरल जेम्स उथमियर ने कहा है कि राज्य इस घटना में हुई मौतों के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करेगा। गिरफ्तारी वारंट के बाद कास्त्रो को उन न्यायालयों के अधिकार क्षेत्र में गिरफ्तारी का सामना करना पड़ सकता है, जो उन्हें फ्लोरिडा प्रत्यर्पित करने के

लिए तैयार हों। इस घटना को लेकर अमेरिका और क्यूबा के बीच लंबे समय से विवाद बना हुआ है। क्यूबा का कहना है कि दोनों विमान उसके हवाई क्षेत्र में प्रवेश कर गए थे। वहीं, अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (आईसीएओ) ने निष्कर्ष निकाला था कि विमानों को गिराए जाने के समय वे अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में थे। इस मतभेद ने वाशिंगटन और हवाना के बीच तनाव को और बढ़ा दिया है। राउल कास्त्रो के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट ऐसे समय जारी किया गया है, जब क्यूबा पर अमेरिकी प्रतिबंधों और राजनीतिक दबाव को लेकर दोनों देशों के बीच मतभेद बढ़े हुए हैं।

न्यूज ब्रीफ

सऊदी अरब में ड्रोन का मलबा गिरने से नेपाली सगेत दो की मौत



काठमांडू। सऊदी अरब की अरामको तेल रिफाइनरी और उत्पादन केंद्र में ड्रोन का मलबा गिरने से एक नेपाली सहित दो लोगों की मौत हो गई। घटना में भारतीय और पाकिस्तानी नागरिकों में से एक-एक व्यक्ति घायल हैं। हुई इस घटना में नेपाल और फिलीपींस के एक-एक नागरिक की मौत होने की पुष्टि सऊदी ऊर्जा मंत्रालय ने की है। मंत्रालय के अनुसार, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की सीमा के पास स्थित शैबह तेल क्षेत्र को निशाना बनाकर आ रहे एक ड्रोन को बीच रास्ते में ही रोक दिया गया था। इसके बाद ड्रोन का मलबा गिरने से तेल उत्पादन केंद्र को नुकसान पहुंचा। मलबा गिरने के कारण केंद्र में ठेकेदार कंपनी के एक वाहन में भी आग लग गई। साउदी के विदेश मंत्रालय के तर्फ से रियाद स्थित नेपाली दूतावास को गुरुवार को इसकी औपचारिक जानकारी दे दी गई है। मृतक नेपाली नागरिक की पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। काठमांडू स्थित नेपाल के विदेश मंत्रालय ने मृतक नेपाली नागरिक के परिवार को इसकी सूचना दे दी है।

ट्रंप के ऐतराज के बाद भी इजरायल ने ईरान के नजदीक दिखाई सैन्य ताकत

तेल अवीव। इजरायल ने ईरान की सीमा के पास एक बड़ा सैन्य अभ्यास किया, जिसमें उसकी वायुसेना के दर्जनों लड़ाकू विमानों ने अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। यह आपरेशन ईरान को अपनी सैन्य क्षमता दिखाने और उस पर हमला करने से रोकने के मकसद से किया गया, बावजूद इसके कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐसे किसी बड़े आपरेशन पर ऐतराज जताया था।

जानकारी के अनुसार, यह सैन्य अभ्यास इजरायल से 800 मील से अधिक दूरी पर हुआ। लड़ाकू विमानों और हवा में ईंधन भरने वाले विमानों ने सीरिया और इराक के हवाई क्षेत्र से होते हुए ईरान की सीमा के पास तक उड़ान भरी, फिर अपना रास्ता बदलकर इजरायल लौट आए। यह अभ्यास इजरायल के चुनाव से एक हफ्ते पहले किया गया था, और उसी दिन अमेरिकी रक्षा मंत्री डेव्हिड हेगसेथ ने प्रधानमंत्री बेजाकिन नेतन्याहू से मुलाकात भी की थी, हालांकि अधिकारियों ने दोनों घटनाओं के बीच किसी भी संबंध से इनकार किया। अमेरिकी अधिकारियों को इजरायल ने इस आपरेशन की जानकारी पहले ही दे दी थी, जिसे एक प्रशिक्षण अभ्यास बताया गया था। इजरायल जानता था कि ईरान की वायु रक्षा प्रणाली इन विमानों का पता लगा लेगी। कुछ अमेरिकी अधिकारियों ने चिंता जताई कि इजरायल की कोशिश ईरान को उकसाने की भी हो सकती है, ताकि ईरानी पलटवार के बहाने इजरायल को ईरान के खिलाफ बड़ा हमला शुरू करने का आधार मिल सके। इससे पहले अक्टूबर की शुरुआत में, नेतन्याहू और तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ एक बड़े नए आपरेशन की संभावना पर चर्चा की थी।

नेपाल में एक हफ्ते से अधिक समय तक बारिश की संभावना, किसानों और यात्रियों को सतर्क रहने की सलाह



काठमांडू। नेपाल के कई क्षेत्रों में अगले सप्ताह से बारिश होने की संभावना जताई गई है। बंगाल की खाड़ी में मौसम दबाव के प्रभाव से बारिश होने का अनुमान है। मीसमविद डा. विनोद पोखरेल के अनुसार, विभिन्न मौसम पूर्वानुमान माडल अगले मंगलवार से एक सप्ताह से अधिक समय तक बारिश होने की संभावना दिखा रहे हैं। उन्होंने चार मौसम पूर्वानुमान माडलों के औसत अनुमान का चित्र साझा करते हुए बताया कि कुछ स्थानों पर भारी बारिश भी हो सकती है। उनके अनुसार, अलग-अलग माडल बारिश के स्थान और उसकी मात्रा को लेकर अलग-अलग अनुमान लगा रहे हैं। ऐसे में अभी यह निश्चित रूप से बताना मुश्किल है कि किस क्षेत्र में कितनी बारिश होगी। आने वाले दिनों में मौसम का पूर्वानुमान बदल सकता है। बारिश की संभावना को देखते हुए उन्होंने धान की कटाई की तैयारी कर रहे किसानों को मौसम का पूर्वानुमान देखकर योजना बनाने की सलाह दी है। उनका कहना है कि अगले सप्ताह मंगलवार से धान कटाने की योजना बना रहे किसान संभव हो तो उससे पहले ही धान काटकर सुरक्षित रूप से घर ले जाएं। ऐसे संभव नहीं होने पर बारिश रुकने के बाद ही कटाई करने की तैयारी करें। कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि के साथ बारिश होने की भी संभावना है।

सऊदी अरब के दम्माम एयरपोर्ट पर हमला, एक की मौत और आठ घायल

रियाद

सऊदी अरब के पूर्वी प्रांत में स्थित किंग फहद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुए हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि आठ अन्य घायल हो गए। सऊदी अरब के नागरिक विमानन प्राधिकरण (जीएसीए) ने इसकी पुष्टि की है।

तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलु ने प्राधिकरण के हवाले से बताया कि सभी घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों में कुछ को मामूली, जबकि कुछ को गंभीर चोटें आई हैं। हमले में संपत्ति को भी नुकसान पहुंचा है, जिसका आकलन किया जा रहा है। अधिकारियों ने कहा कि घटना से जुड़ी अतिरिक्त जानकारी बाद में साझा की जाएगी। हालांकि, हमले की प्रकृति के बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं दी गई है।

इससे पहले सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्रालय ने बताया कि पूर्वी प्रांत के शायबाह तेल क्षेत्र में सऊदी अरामको की एक सुविधा को निशाना बनाकर भेजे गए ड्रोन को वायु रक्षा प्रणाली ने मार गिराया।

मंत्रालय के मुताबिक, ड्रोन का मलबा गिरने से एक ठेकेदार के वाहन में आग लग गई। इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। हालांकि, तेल क्षेत्र में परिचालन पर कोई असर नहीं पड़ा। सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन ने भी दावा किया कि उसने देश की ओर भेजे गए पांच ड्रोन को रोककर नष्ट कर दिया। इनमें पूर्वी प्रांत और मदीना क्षेत्र की ओर भेजे गए ड्रोन शामिल थे।

इससे पहले 11 अक्टूबर को भी किंग फहद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हमला हुआ था। उस घटना के बाद अधिकारियों ने नुकसान का आकलन करने के साथ सुरक्षा जांच भी की थी। ये घटनाएं यमन के हथी समूह और सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन के बीच बढ़ते तनाव के बीच हुई हैं।

इस दौरान सऊदी अरब के हवाई अड्डों और ऊर्जा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाकर कई हमले किए जाने की खबरें सामने आई हैं। दम्माम हवाई अड्डे पर हुए ताजा हमले के बाद अधिकारी नुकसान का आकलन करने और घटना से जुड़ी परिस्थितियों की जांच में जुटे हैं। फिलहाल, हमले के पीछे किसका हाथ है और इसे किस तरीके से अंजाम दिया गया, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।



फ्रांस में हिंसक प्रदर्शनों के बीच भारतीय दूतावास की एडवाइजरी, सतर्क रहने की अपील

पेरिस। फ्रांस में महंगाई और सरकारी नीतियों के विरोध में जारी प्रदर्शनों के हिंसक होने के बीच भारतीय दूतावास ने वहां रह रहे भारतीय नागरिकों और यात्रा की योजना बना रहे लोगों के लिए सुरक्षा परामर्श जारी किया है। दूतावास ने भारतीयों से सतर्क रहने, प्रदर्शन स्थलों और भीड़भाड़ वाले इलाकों से दूर रहने तथा स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की है। दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी संदेश में कहा कि फ्रांस के कई इलाकों में विरोध प्रदर्शनों के कारण स्थानीय स्तर पर कर्फ्यू लगाया गया है। सड़कों पर आवामगमन और सार्वजनिक परिवहन सेवाएं भी प्रभावित हो सकती हैं। भारतीय नागरिकों को स्थानीय समाचारों और फ्रांसीसी प्रशासन की आधिकारिक सूचनाओं पर नजर रखने की सलाह दी गई है। दूतावास ने फ्रांस जाने या वहां के भीतर यात्रा करने वाले लोगों से अपनी एयरलाइंस और ट्रेवल एजेंसियों के संपर्क में रहने को कहा है, ताकि उड़ानों और यात्रा कार्यक्रम में संभावित बदलावों की समय पर जानकारी मिल सके। 24 अक्टूबर के प्रदर्शनों से पहले सुरक्षा कड़ी फ्रांस में शनिवार, 24 अक्टूबर को नए प्रदर्शनों की घोषणा के बाद सरकार ने हिंसा रोकने के लिए सख्त कदम उठाने के संकेत दिए हैं। कतर यात्रा के दौरान राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा कि हिंसक घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सरकार सभी उपलब्ध कानूनी उपायों का इस्तेमाल करेगी। आपातकाल घोषित करने की मांग पर मैक्रों ने कहा कि फिलहाल इसकी जरूरत नहीं है, हालांकि परिस्थितियों के अनुसार भविष्य में इस विकल्प पर विचार किया जा सकता है। वहीं, गृह मंत्री लारेंट नुनैज ने कहा कि आगामी प्रदर्शनों के दौरान हिंसा रोकने में मदद के लिए सेना के आपरेशन सेंटिनेल के जवानों को तैनात किया जाएगा। फ्रांस सहित स्पेन और अल्बानिया जैसे कुछ अन्य यूरोपीय देशों में भी युवाओं के नेतृत्व में हुए प्रदर्शनों के दौरान हिंसा की घटनाएं सामने आई हैं। ऐसे में भारतीय दूतावास ने नागरिकों से यात्रा के दौरान अतिरिक्त सावधानी बरतने और किसी भी आपात स्थिति में दूतावास से संपर्क करने की अपील की है।

चीन के कुनिंग में एशिया का सबसे बड़ा फूल बाजार

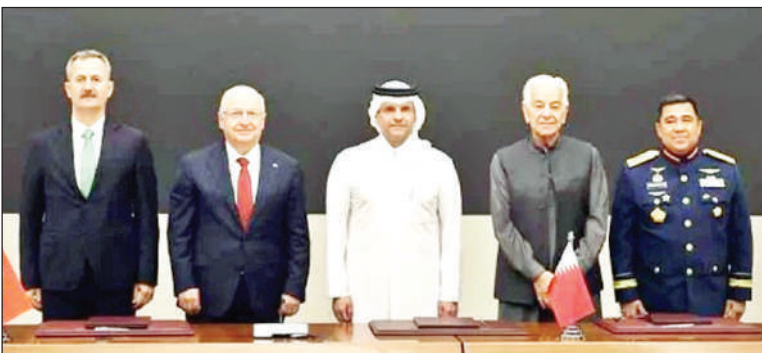


बीजिंग। चीन के युन्नान प्रांत की राजधानी कुनिंग स्थित डोनान पलावर मार्केट एशिया के प्रमुख ताजे कटे फूलों के व्यापार केंद्रों में शामिल किया जाता है। यहां हर साल बड़ी मात्रा में फूलों की खरीद-फरोख्त की जाती है। यहां से फूलों का निर्यात दुनिया के कई देशों में किया जाता है। बाजार से जुड़े उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, इसका सालाना कारोबार करीब 19 हजार करोड़ रुपये से अधिक बताया जाता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार डोनान पलावर मार्केट केवल स्थानीय खरीदारों और फूल विक्रेताओं तक सीमित नहीं है। यह चीन के फूल उद्योग की आपूर्ति श्रृंखला का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यहां से गुलाब, कार्नेशन, लिली और दूसरे सजावटी फूल देश के विभिन्न शहरों के साथ अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचते हैं। दिन में खुदरा खरीदारी, रात में थोक कारोबार यह बाजार दिन और रात सक्रिय रहता है। दिन के समय आम खरीदार, पर्यटक और छोटे कारोबारी फूल खरीदते हैं। रात में थोक व्यापार का काम तेज हो जाता है। इस दौरान बड़े व्यापारी फूलों की खेप खरीदते हैं और नीलामी के जरिए कीमते तय होती हैं। फूलों की ताजगी बनाए रखने और समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए यहां परिवहन और वितरण व्यवस्था की भी अहम भूमिका है।

दोहा

पाकिस्तान, तुर्की, कतर और इंडोनेशिया ने रक्षा सहयोग को मजबूत करने और अपनी सैन्य क्षमताओं को बढ़ाने के उद्देश्य से ब्रद मेमोरेंडम आफ अंडरस्टैंडिंग (समझौता) पर हस्ताक्षर किए। कतर की राजधानी दोहा में हुए इस समझौते का मुख्य उद्देश्य सैन्य उत्पादन, रक्षा तकनीक, प्रशिक्षण और अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) के क्षेत्र में चारों देशों के बीच सहयोग बढ़ाना है।

पाकिस्तान की उर्दू टेलीविजन चैनल दुनिया न्यूज तथा अंतरराष्ट्रीय मीडिया जिओ न्यूज के मुताबिक, तुर्की के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह समझौता चारों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच साझेदारी को गहरा करने और उनकी औद्योगिक क्षमताओं को विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मंत्रालय ने कहा कि इस पहल से प्रत्येक देश को रक्षा उत्पादन संबंधी विशेषज्ञता का लाभ उठाने, संयुक्त परियोजनाओं



को बढ़ावा देने और मित्र देशों की रक्षा जरूरतों को पूरा करने में मदद मिल सकती है।

समझौते पर हस्ताक्षर समारोह में चारों देशों के वरिष्ठ रक्षा प्रतिनिधि शामिल हुए। तुर्की के रक्षा मंत्रालय की ओर से साझा की गई जानकारी के मुताबिक, पाकिस्तान की ओर से रक्षा मंत्री ख्वाजा

आसिफ, तुर्की की ओर से रक्षा मंत्री यासर गुलर, कतर की ओर से उप-प्रधानमंत्री एवं रक्षा राज्य मंत्री शेख सऊद बिन अब्दुल रहमान और इंडोनेशिया की ओर से उप रक्षा मंत्री यूसुफ जोहरी ने इसमें भाग लिया। समारोह में तुर्की के रक्षा उद्योग सचिवालय के प्रमुख हलूक गोरगुन भी मौजूद थे।

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के सेना प्रमुख और चीफ आफ डिफेंस फोर्सेज फोल्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर ने इस्लामाबाद में मालदीव के राष्ट्रपति डा. मोहम्मद मुइज्जु से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने, रक्षा सहयोग बढ़ाने और क्षेत्रीय सुरक्षा को मौजूदा स्थिति पर चर्चा हुई।

पाकिस्तान की उर्दू टेलीविजन चैनल दुनिया न्यूज के अनुसार, बैठक में दोनों पक्षों ने पाकिस्तान और मालदीव के बीच रक्षा संबंधों को और मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही, संस्थागत संपर्क बढ़ाने और सैन्य अधिकारियों के बीच पेशेवर आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करने पर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान आसिम मुनीर और राष्ट्रपति मुइज्जु ने आपसी हितों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। दोनों पक्षों ने रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने और संबंधित संस्थाओं के बीच संपर्क को अधिक प्रभावी बनाने के महत्व को रेखांकित किया। पाकिस्तानी पक्ष ने दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे मैत्रीपूर्ण संबंधों का उल्लेख करते हुए द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

बैठक में क्षेत्रीय सुरक्षा की मौजूदा स्थिति और



साझा चिंताओं से जुड़े मुद्दे भी चर्चा के केंद्र में रहे। दोनों पक्षों ने क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए संवाद तथा सहयोग के महत्व पर जोर दिया।

आसिम मुनीर ने रचनात्मक बातचीत के माध्यम से क्षेत्रीय स्थिरता को प्रोत्साहित करने की पाकिस्तान की प्रतिबद्धता का उल्लेख किया। उन्होंने दोनों देशों के बीच निरंतर संपर्क बनाए रखने और आपसी सहयोग के मौजूदा अवसरों का

विस्तार करने पर जोर दिया। मुलाकात के दौरान मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जु ने पाकिस्तान के सशस्त्र बलों की पेशेवर क्षमताओं की सराहना की। उन्होंने क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए पाकिस्तान के प्रयासों की भी प्रशंसा की। दोनों पक्षों ने रक्षा क्षेत्र में सहयोग को आगे बढ़ाने और संस्थागत संबंधों को अधिक मजबूत बनाने की आवश्यकता पर सहमति जताई।

नेपाल में बांग्लादेश के राजदूत ने दुर्गापूजा पंडालों में किए पूजा और आरती, दुर्गापूजा को बताया साझा सांस्कृतिक विरासत



काठमांडू। नेपाल में बांग्लादेश के राजदूत मोहम्मद शफीकुर रहमान ने दुर्गापूजा के अवसर पर काठमांडू स्थित विभिन्न पंडालों में पूजा की और आरती में सहभागिता ली। इतना ही नहीं बांग्लादेशी राजदूत ने गोरखा स्थित मनकामना मंदिर और काली मंदिर का भी दौरा किया।

मंदिर भ्रमण के दौरान उन्होंने पूजा समिति के सदस्यों और मंदिर के पुजारियों के साथ दुर्गापूजा की शुभकामनाओं का आदान-प्रदान किया और बातचीत भी की। इस दौरान उन्होंने नेपाल की समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत के बारे में जानकारी हासिल की।

वह काठमांडू में आयोजित दुर्गा पूजा में भी शामिल हुए। नेपाल की विशिष्ट सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं को करीब से अनुभव करने पर खुशी व्यक्त करते हुए राजदूत

रहमान ने कहा कि दुर्गापूजा के उत्सव में शामिल होना उनके लिए सुखद और ज्ञानवर्धक अनुभव रहा। इस अवसर पर शुभकामना संदेश देते हुए राजदूत रहमान ने सभी नेपाली नागरिकों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

दुर्गापूजा को भारतीय उपमहाद्वीप की साझा सांस्कृतिक विरासत बताते हुए कहा कि यह पर्व धार्मिक सद्भाव, सह-अस्तित्व, एकता और आपसी भाईचारे की भावना को दर्शाता है। दुर्गा पूजा विभिन्न धर्मों और आस्थाओं के बीच के अंतर से ऊपर उठकर सम्मान, करुणा और सहानुभूति की भावना को बढ़ावा देता है। बांग्लादेश के राजदूत मोहम्मद शफीकुर रहमान ने कहा कि सदियों से नेपाल और बांग्लादेश सहित इस क्षेत्र के समुदायों की संस्कृति और विरासत को आपसी सह-अस्तित्व तथा धार्मिक सहिष्णुता की भावना ने आकार दिया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ऐसी साझा सांस्कृतिक विरासत दोनों देशों के लोगों के बीच मित्रता, सद्भाव और आपसी समझ को और मजबूत करेगी।

रक्षा सहयोग बढ़ाने को पाकिस्तानी सेना प्रमुख और मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जु ने की मुलाकात

पाकिस्तान के सेना प्रमुख और चीफ आफ डिफेंस फोर्सेज फोल्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर ने इस्लामाबाद में मालदीव के राष्ट्रपति डा. मोहम्मद मुइज्जु से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने, रक्षा सहयोग बढ़ाने और क्षेत्रीय सुरक्षा को मौजूदा स्थिति पर चर्चा हुई।

पाकिस्तान की उर्दू टेलीविजन चैनल दुनिया न्यूज के अनुसार, बैठक में दोनों पक्षों ने पाकिस्तान और मालदीव के बीच रक्षा संबंधों को और मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही, संस्थागत संपर्क बढ़ाने और सैन्य अधिकारियों के बीच पेशेवर आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करने पर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान आसिम मुनीर और राष्ट्रपति मुइज्जु ने आपसी हितों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। दोनों पक्षों ने रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने और संबंधित संस्थाओं के बीच संपर्क को अधिक प्रभावी बनाने के महत्व को रेखांकित किया। पाकिस्तानी पक्ष ने दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे मैत्रीपूर्ण संबंधों का उल्लेख करते हुए द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

बैठक में क्षेत्रीय सुरक्षा की मौजूदा स्थिति और

ब्रद समझौते के तहत चारों देश रक्षा क्षेत्र में अपनी क्षमताओं और विशेषज्ञता को साझा करने के लिए सहयोग का हाथ विकसित करेंगे। इसके प्रमुख क्षेत्र हैं: रक्षा उत्पादन: सैन्य उपकरणों और रक्षा प्रणालियों के निर्माण में सहयोग बढ़ाना। इसमें नई रक्षा तकनीकों और आधुनिक सैन्य प्रणालियों के विकास में संयुक्त प्रयास करना। तकनीकी सैन्य प्रशिक्षण तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना। रक्षा उद्योगों के बीच साझेदारी, संयुक्त उत्पादन और तकनीकी जानकारी साझा करने के अवसर तलाशना।

तुर्की के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह समझौता चारों देशों की औद्योगिक क्षमताओं को मजबूत करने और साझा सुरक्षा उद्देश्यों को हासिल करने में मदद करेगा। हालांकि, अभी तक किसी विशिष्ट संयुक्त रक्षा परियोजना, उसके वित्तपोषण या क्रियान्वयन की समय-सीमा का विस्तृत ब्योरा सामने नहीं आया है।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि उनका देश भरोसेमंद साझेदारों के साथ रक्षा सहयोग मजबूत करने की महत्व देता है। उन्होंने इस समझौते को क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के प्रति चारों देशों की साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया। वहीं, तुर्की पिछले कुछ वर्षों में अपने रक्षा उद्योग का विस्तार करने और सहयोगी देशों की सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने पर जोर देता रहा है। कतर के साथ उसके रक्षा संबंध पहले से ही मजबूत हैं और कतर में तुर्की का एक सैन्य अड्डा भी है। इंडोनेशिया के साथ भी तुर्की के रक्षा उद्योग और सैन्य तकनीक के क्षेत्र में करीबी संबंध हैं। वहीं, पाकिस्तान और तुर्की के बीच रक्षा उत्पादन, सैन्य प्रशिक्षण तथा तकनीकी सहयोग को लेकर पहले से साझेदारी मौजूद है।

यह समझौता ऐसे समय हुआ है, जब पश्चिम एशिया में सुरक्षा चुनौतियाँ और क्षेत्रीय तनाव को लेकर कई देश अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने पर जोर दे रहे हैं।

आज का राशिफल



मेघ – चू,चे,चो,ला,लि,तू,ले,लो,अ

अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। जरूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। हालाँकि प्यार में निराशा हाथ लग सकती है लेकिन हिम्मत मत हारिए क्योंकि आखिर में जीत सच्चे प्यार की ही होती है। आज के दिन आप सबके ध्यान का केंद्र होंगे और सफलता आपकी पहुँच में होगी। शहर से बाहर यात्रा ज़्यादा आरामदेह नहीं रहेगी, लेकिन आवश्यक ज्ञान-पहचान बनाने के लिहाज़ से फायदेमंद साबित होगी।

वृषभ – उ,ड़,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

जिन व्यापारियों के संबंध विद्वेगों से हैं उन्हें आज धन हानि होने की संभावना है इसलिए आज के दिन सोच समझकर चलें। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएं। आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है। आज आपका दुःख बर्फ़ की तरह पिघल जाएगा। बहारी भरे कदम और फ़ैसले आपको अनुकूल पुर्नकार देंगे। आज ऐसे बर्ताव करें जैसे कि आप 'सुपर-स्टार' हैं, लेकिन सिर्फ़ उन चीज़ों की ही प्रशंसा करें जो उसके काबिल हैं। आप महसूस कर सकते हैं कि जीवनसाथी का प्यार सारे दुःख-दर्द भुला देता है।



मिथुन – क,कि,कू,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपकी माता पस से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके माया या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। अपने जीवनसाथी के मामलों में जरूरत से ज़्यादा दुखल देना उसकी दुर्गुलाट का कारण बन सकता है। गुस्से को फिर से भड़काने से ज़्यादा के लिए उसकी इजाज़त लें, तो आपकी से प्रश्न पुरानी को हल किया जा सकता है। ज़ाहिर तौर पर रोमांस के लिए प्यारी मीके हैं- लेकिन ऐसा बहुत कम समय के लिए है। किसी भी तरह की साझागी करने से पहले उसके बारे में अपनी अंदाज़ी भावना की बात जरूर सुनें। हिनकरी प्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप खुशी महसूस करेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा लेकिन इसके साथ ही आपको यह ध्यान भी रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यर्थ न खर्च न करें। हो सकता है कि आप अपने परिवार के लोगों की सभी बातों से सहमत न हों, लेकिन आपको उनके तबूज़ से सीखने की कोशिश करनी चाहिए। किसी छोटी-मोटी बात को लेकर भी आपके प्रिय से आपकी नोक-झोंक हो सकती है। अपनी बौद्धिक क्षमताओं का इस्तेमाल अपने हित में करें। इसकी मदद से आप पेरेशवा योजनाओं और नए विचारों को पूरा कर सकते हैं।



सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपके परिवार वाले किसी छोटी-सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। जब आप अपने प्रिय के साथ बाहर जाएं तो अपने पहनावे और बर्ताव में नयान रखें। तब तक कोई वादा न करें, जब तक कि आप पूरी तरह उसे पूरा करने में सक्षम न हों। जीवन का आनंद लेने के लिए आपको अपने दोस्तों की भी सलाह देनी चाहिए। अगर आप समाज से कटकर रहेंगे तो आवश्यकता पड़ने पर आपको साथ भी कोई नहीं होगा। आज के दिन कुछ भी करने के लिए अपने साथी पर दबाव न डालें, अन्यथा आपके दिलों में दुर्गो आ सकती है।

कन्या – टो,प,पी,पू,पू,प,ठ,पै,पो

आपका प्रेमाश्रय मिश्रित तौर पर कच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाएगा। प्रेम का आह्लाद महसूस करने के लिए आप किसी नए व्यक्ति से मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में प्रगतिशील और बड़े अवसर करने में सक्षमों आका पुरा सहायक होंगे। आपको भी तैयारी से फ़ायदा उठाने के लिए तैयार रहना चाहिए। भाइयों को कड़ी मेहनत के लिए प्रोत्त करना सकारात्मक परिणाम देगा। अगर खाली वक़्त किसी शेरकार के काम में ख़राब हो सकता है। आपके वैचारिक जीवन में शारीरिक सुख के नज़रिए से कुछ ख़ुबसूरत परिवर्तन हो सकता है।



तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

माता-पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे। घरेलू मोर्चे पर समझा खड़ी हो सकती है, इसलिए तौल-मोल कर ही वोलें। दूसरों की ख़ास अजनाज़ी ग़ोरेपों पर धर कर सकती है। अपने काम में ऐसे लोगों की मदद लें, जिनकी सोच आपसे भेद खाली हो। सही वक़्त पर उनकी मदद आहम और फ़ायदेमंद होगी। खास तौर पर मेडिकल ट्रायिक्रियन से जुड़े लोगों के लिए बढ़िया दिन है। आज जीवनसाथी की साथ समय बिताने के लिए आपके पास पर्याप्त समय होगा। आपके प्रेम को देखकर आज आपका प्रेमी ग़दगद हो जाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका धन आपके काम तभी आता है जब आप किन्नरखर्ची करने से खुद को रोकते हैं और ये बात आपको अचछी तरह से समझ में आ सकती है। लोगों के साथ कुछ करते वक़्त अपने दिलों को अन्वेषण न करें – हो सकता है कि वे आपकी सफलता को ज़्यादा मभीला से न लें। बुद्धिमान और रोमांस आपको सुगमिजन रखेंगे। आपको आत्मविश्वास में वृद्धि हो जा है और लक्ष्मी साक्ष नज़ आ रही है। आज कवि किसी दिगामी कसरत पुरमिजन है। आपमें से कुछ शतर्न खेल सकते हैं, वर्ग-परीनी हल कर सकते हैं, कोई कविता-कहानी लिख सकते हैं या भविष्य की योजनाओं पर ग़हवाई सोच सकते हैं।



धनु – ये,यो,भ,भी,भू,घा,फा,डा,भे

आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। अपने दिन की योजना सावधानी से तय करें। ऐसे लोगों से घात करें, जो आपकी मदद कर सकते हैं। रोमांस आनन्ददायी और काफ़ी रोमांचक रहेगा। किसी भी तरह की साझीदारी करने से पहले उसके बारे में अपनी अंदाज़ी भावना की बात जरूर सुनें। अगर खाली समय में अपने पसंदीदा काम करना पसंद करते हैं, आज भी आप ऐसा ही कुछ करने का सोचेंगे लेकिन किसी शख्स के घर में आने की वजह से आपको यह पलान चौपट हो सकता है।

मकर – भो,ज़,जी,खि,खू,खो,ग,गि

आस-पास के लोगों का सहयोग आपको सुखद अनुभूति देगा। अपने व्यक्तिगत जीवन से थोड़ा समय निकालकर धन-पुण्य के कार्यों में कुछ समय लगाएँ। इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी, लेकिन इसके लिए अपनी निजी जिंज़गी को दबिकारन न करें। आपको दोनों पर ही बराबर ध्यान देने की जरूरत है। हर रोज़ प्रेम में पड़ने की अपनी आदत को बदलिए। काम में धीमी प्रगति हलका-सा मानसिक तनाव दे सकती है। आपको याद रखने की जरूरत है कि भगवान उसी की मदद करता है, जो खुद अपनी मदद करता है।



कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,व

अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें। बच्चे आपको दिन को बहुत मुश्किल बना सकते हैं। प्यार-मुलार के हथियार का इस्तेमाल कर उन्हें समझाएं और अनचाहे तनाव से बचें। याद रखें कि प्यार ही प्यार को पैदा करता है। ख़ुशी के लिए संबंध की प्रतीक्षा करें। करिअर से जुड़े फैसले ख़ुद करें, बाद में इसके लाभ आपको मिलेंगे। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनीयता जानें बिना उनकी अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक़्त ही जाया करेंगे और कुछ नहीं।

मीन – दी,दू,य,झ,ज,दे,दो,वा,यी

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैदा होगी। जिसके साथ आप रहते हैं, उससे वाद-विवाद करने से बचें। यदि कोई समस्या है, तो उसे शांति से बातचीत करके सुलझाएँ। आज के दिन प्यार की कली चटककर फूल बन सकती है। अगर आप व्यवसाय में किसी नये भागीदार को जोड़ने पर विचार कर रहे हैं, तो यह जरूरी होगा कि उसके कोई भी वादा करने से पहले आप सच्चा तथ्य अच्छी तरह जाँच लें। इस राशि के उम्रदराज़ जातक आज के दिन अपने पुराने मित्रों से ख़ाली समय में मिलने जा सकते हैं।



आज का पंचांग

दिनांक : 23 अक्टूबर 2026 , शुक्रवार

विक्रम संवत : 2083

मास : आश्विन , शुक्ल पक्ष

तिथि : द्वादशी दोपहर 02:37 तक

नक्षत्र : पूर्वाभाद्रपदा राशि 09:03 तक

योग : ध्रुव राशि 10:08 तक

करण : कालव दोपहर 02:37 तक

चन्द्रराशि : कुंभ दोपहर 03:04 तक

सूर्योदय : 06:11, सूर्यास्त 05:48 (हैदराबाद)

सूर्योदय : 06:11, सूर्यास्त 05:56 (बंगलौर)

सूर्योदय : 06:04, सूर्यास्त 05:48 (तिरुपति)

सूर्योदय : 06:02, सूर्यास्त 05:41 (विजयवाड़ा)

शुभ वीथियाँ

रविवर : 06:00 से 07:30

लाभ : 07:30 से 09:00

अशुभ : 09:00 से 10:30

शुभु : 12:00 से 01:30

हलकातः प्रारं: 10:30 से 12:00

दिनांकुरः पंचम दिन।

उषः २५ मिनट बाद का

दिन विशेष : एकदशी का प्राणायाम, राम वाद्य की वास, प्रवेग चर, पंचक चालू है , ऐमन श्रुत अंग

पं.चिदम्बर मिश्र (टिड्ड महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान,
भावगत कथा एवं मूल पारायण,
वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतवंशी, विवाह,
कुडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष
सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फ़कड़ का मन्दिर, रिक़ाबगंज,
हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

डिजिटल युग में विश्वसनीयता जरूरी

कादम्बिनी क्लब की 411वीं गोष्ठी में कंटेंट, अभिव्यक्ति और साहित्य पर चर्चा

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कादम्बिनी क्लब हैदराबाद के तत्वावधान में क्लब की 411वीं मासिक गोष्ठी प्रो. ऋषभदेव शर्मा की अध्यक्षता में ऑनलाइन आयोजित की गई। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में डिजिटल युग में अभिव्यक्ति, प्रभाव और विश्वसनीयता पर चर्चा हुई, जबकि दूसरे सत्र में काव्यगोष्ठी का आयोजन किया गया।

श्रप्रेस विज्ञप्ति में जानकारी देते हुए कार्यकारी अध्यक्ष मीना मुथा एवं महासचिव प्रवीण प्रणव ने बताया कि प्रथम सत्र का आरंभ सस्मिता नायक द्वारा सरस्वती वंदना की प्रस्तुति से हुआ। मीना मुथा ने उपस्थित साहित्यकारों एवं रचनाकारों का शब्द-सुमनों से स्वागत करते हुए कहा कि क्लब की संस्थापिका डॉ. अहिल्या मिश्र द्वारा रोपा गया यह अंकुर पिछले 33 वर्षों से वटवृक्ष के रूप में साहित्य सेवा में समर्पित है।

नवांकुरों को मंच प्रदान करना तथा पठन-पाठन और साहित्यिक चर्चाओं में सहभागिता बढ़ाना क्लब का प्रमुख उद्देश्य रहा है।

सत्र की मुख्य वक्ता मोनिका भट्ट ने इकॅंटेंट से पहचान तकडिजिटल युग में अभिव्यक्ति, प्रभाव और विश्वसनीयताप वषय पर विचार रखे। संगोष्ठी सत्र के संयोजक अवधेश कुमार सिन्हा ने उनका परिचय देते हुए बताया कि मोनिका भट्ट जनसंचार की शिक्षिका, उद्यमी, कलाकार, सामाजिक कार्यकर्ता और मंच संचालक हैं। उन्होंने डिजिटल दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई है तथा विभिन्न महानुभावों के साक्षात्कार भी लिए हैं।

मोनिका भट्ट ने कहा कि कॅंटेंट अच्छा होना चाहिए और उसे अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचना चाहिए। डिजिटल दुनिया में सामग्री की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसी सामग्री को प्रोत्साहित



नहीं करना चाहिए, जो आने वाली पीढ़ी को गलत राह पर ले जाए। मौलिकता और विश्वसनीयता को महत्व देना आवश्यक है। किसी वीडियो को आगे भेजने से पहले उसकी सत्यता की जांच करनी चाहिए। बिना सत्यता जांचे रील या वीडियो साझा करने से असामाजिक तत्वों को प्रोत्साहन मिल सकता है। अच्छा साहित्य प्रचारित-प्रसारित होना चाहिए। डिजिटल माध्यम प्रचार-प्रसार का एक प्रभावी साधन है और इसका सही उपयोग आने वाली पीढ़ियों के लिए लाभदायक हो सकता है।

अवधेश कुमार सिन्हा ने सवाल किया कि आजकल सोशल मीडिया पर बने रहना फैशन बन गया है और कमाई के लालच में लोग संयम खोते जा रहे हैं। कॅंटेंट के दोहन और दुरुपयोग से कैसे बचा जा सकता है? इस पर मोनिका भट्ट ने कहा कि यूट्यूब पर सामग्री बनाने वाले लोग कमाई के लिए अपने चैनल का मुद्रीकरण कर लेते हैं। अभिव्यक्ति दर्शकों को प्रभावित करती है, लेकिन

मानवता की सेवा का संकल्प, समाज के लिए प्रेरणा बना राधे-राधे ग्रुप : बजरंग लाल शर्मा



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर फार्म में गुरुवार को नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध समाज-सेवी बजरंग लाल शर्मा बसई वाले ने ग्रुप के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ समाजसेवा में जुटा हुआ है। ग्रुप की कार्यशैली यह संदेश देती है कि सच्ची सेवा वही है, जिसमें दूसरों की सहायता करने का भाव हो और किसी प्रकार के प्रतिफल की अपेक्षा न रखी जाए।

बजरंग लाल शर्मा ने कहा कि भूखे को भोजन कराना, जरूरतमंद की सहायता करना

और दुखी व्यक्ति के जीवन में खुशियों का संचार करना मानवता का वास्तविक स्वरूप है। समाज में ऐसे कार्यों की आवश्यकता है, जो लोगों को एक-दूसरे के प्रति संवेदनशील बनाएं और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करें। राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से संचालित अन्नसेवा इसी मानवीय सोच का परिचायक है।

उन्होंने कहा कि आज की व्यस्त जीवनशैली में दूसरों के लिए समय निकालना और समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रत्येक व्यक्ति अपनी सामर्थ्य के अनुसार सेवा कार्यों में योगदान दे सकता है। इसके लिए बड़े संसाधनों से अधिक आवश्यक है, दूसरों के प्रति संवेदना और

गजानन मुंडे के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव मंजूर

17 संचालकों ने पक्ष में किया मतदान, एक संचालक बैठक में अनुपस्थित



किनवट, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। महाराष्ट्र कृषि उपज खरीद-बिक्री (विकास एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1963 की धारा 23-ए (3) के प्रावधानों के अनुसार, किनवट कृषि उपज मंडी समिति के सभापति गजानन मुंडे के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव 17-0 के भारी बहुमत से मंजूर कर लिया गया। गुरुवार, 22 अक्टूबर 2026 को आयोजित विशेष बैठक में कुल 18 संचालकों में से 17 ने हाथ उठाकर सभापति के खिलाफ अविश्वास व्यक्त किया। किनवट स्थित कृषि उपज मंडी समिति के कार्यालय सभागार में गुरुवार सुबह 11 बजे यह महत्वपूर्ण विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक की पीठासीन अधिकारी के रूप में तहसीलदार डॉ. शारदा चौंडेकर ने जिम्मेदारी संभाली।

इस अवसर पर नायब तहसीलदार बालाजी फोले, सहायक राजस्व अधिकारी दिलीप भुरे और सहायक निबंधक गायकवाड़ प्रमुख रूप से उपस्थित थे। बैठक की शुरुआत में कार्यवाही का विवरण (कार्यवृत्त) पढ़कर सुनाया गया। सभी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद बैठक के अंत में कार्यवाही का विवरण सहायक निबंधक गायकवाड़ को सौंप दिया गया। सभापति गजानन मुंडे के खिलाफ

अविश्वास प्रस्ताव पर विचार करने के लिए इससे पहले 10 जून 2026 को विशेष बैठक बुलाई गई थी। हालांकि, बॉम्बे उच्च न्यायालय की छत्रपति संभाजीनगर खंडपीठ में दायर रिट याचिका संख्या 5726/2026 के आधार पर इस प्रक्रिया पर रोक लगा दी गई थी।

इसके बाद उच्च न्यायालय ने 9 अक्टूबर 2026 को अंतिम आदेश पारित करते हुए अविश्वास प्रस्ताव के नोटिस को सभापति की ओर से दी गई चुनौती खारिज कर दी और प्रशासन को नया नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। अदालत के आदेश के अनुपालन में अधिकृत अधिकारी एवं किनवट के तहसीलदार ने 12 अक्टूबर को विशेष बैठक का नया नोटिस जारी किया था।

इसके अनुसार, 22 अक्टूबर को आयोजित विशेष बैठक में उपस्थित सभी 17 संचालकों ने सभापति गजानन मुंडे के खिलाफ हाथ उठाकर अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। कुल 18 संचालकों में से एक संचालक बैठक में अनुपस्थित रहा। इस प्रकार, सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव 17 के मुकाबले शून्य मतों से मंजूर घोषित किया गया। इसके साथ ही प्रस्ताव को आधिकारिक रूप से मंजूरी मिल गई।

सहायता करने की सच्ची इच्छा। यदि समाज का प्रत्येक सक्षम व्यक्ति जरूरतमंदों की चिंता करने लगे, तो सामूहिक प्रयासों से अनेक लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने अन्नसेवा को भारतीय संस्कृति की श्रेष्ठ परंपरा बताते हुए कहा कि भोजन प्रत्येक व्यक्ति की मूलभूत आवश्यकता है। किसी भूखे को भोजन उपलब्ध कराना केवल उसकी आवश्यकता पूरी करना नहीं, बल्कि उसके प्रति सम्मान और आत्मीयता प्रकट करना भी है। ऐसे कार्य समाज में मानवीय मूल्यों को जीवंत रखते हैं और नई पीढ़ी को परोपकार तथा सामाजिक जिम्मेदारी का महत्व समझाते हैं।कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, बजरंग लाल शर्मा, कमल मूंदड़ा और हरीश तोलाराम हिंदूजा सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का सेवा अभियान मानवता, सहयोग और समर्पण के मूल्यों को आगे बढ़ाने का प्रयास है।

ग्रुप का विश्वास है कि मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर आराधना है। सेवा के माध्यम से समाज में प्रेम, सद्भाव और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना मजबूत होती है। अन्नसेवा का यह प्रयास यही संदेश देता है कि समाज की वास्तविक उन्नति तभी संभव है, जब प्रत्येक व्यक्ति दूसरों के प्रति अपने कर्तव्य को समझे और मानवता के हित में यथासंभव योगदान दे।

विशाल अग्रवाल ने कहा— सेवा ही सच्चा धर्म



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन के पिलर नंबर 1265-ए के पास नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विशाल अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा ही सच्चा धर्म है।

जरूरतमंदों की सेवा करना केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानवता के प्रति हमारी सच्ची जिम्मेदारी है। जब हम किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास करते हैं, तो वह कार्य हमारे जीवन को सार्थक बनाने के साथ-साथ समाज में प्रेम, सद्भाव और सहयोग की भावना को भी मजबूत करता है।

विशाल अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का नियमित अन्नसेवा कार्य मानव सेवा की भावना को साकार करने का सराहनीय प्रयास है। अन्नदान को भारतीय संस्कृति में महान सेवा माना गया है, क्योंकि

भारत में विकसित रेसिंग गेम में स्पीड, रणनीति, करियर प्रोग्रेशन और रियल-टाइम मल्टीप्लेयर प्रतियोगिता का रोमांच

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद स्थित 7सीज़ एंटरटेनमेंट लिमिटेड (बीएसई: 540874) ने घोषणा की है कि उसका मोबाइल रेसिंग गेम इफॉर्मूला राइडफअब गूगल प्ले और एप्पल ऐप स्टोर पर उपलब्ध है। कंपनी के अनुसार, गेम जारी किए गए बाजारों के खिलाड़ी इसे डाउनलोड कर सकते हैं।

गेम में तेज रफ्तार रेसिंग, रणनीतिक गेमप्ले, करियर प्रोग्रेशन और रियल-टाइम मल्टीप्लेयर प्रतियोगिता जैसी सुविधाएं दी गई हैं। इसे सामान्य गेम खेलने वालों के साथ-साथ रेसिंग गेम के शौकीनों को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है।

भारत में विकसित मौलिक गेमिंग उत्पादों को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने की दिशा में यह लॉन्च कंपनी के लिए महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

7सीज़ एंटरटेनमेंट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एल. एम. शंकर ने कहा कि फॉर्मूला राइड का व्यावसायिक लॉन्च पूरी टीम के लिए गर्व का क्षण है। यह गेम भारत से विश्वस्तरीय और आकर्षक गेमिंग अनुभव

विकसित करने की कंपनी की महत्वाकांक्षा को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि तेज रफ्तार रेसिंग, रणनीति, करियर प्रोग्रेशन और रियल-टाइम मल्टीप्लेयर जैसी सुविधाओं को एक साथ जोड़कर गेम तैयार किया गया है। खिलाड़ियों की प्रतिक्रिया और भविष्य में नई सामग्री के आधार पर इसमें और सुधार किए जाने की संभावनाएं हैं। उन्होंने भारत और अंतरराष्ट्रीय बाजारों के खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि कंपनी इस गेम को व्यापक स्तर पर लोकप्रिय बनाने के लिए उत्साहित है।

प्रसारित कर रहा है।

कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि मानव सेवा ही ईश्वर की सच्ची आराधना है। किसी जरूरतमंद की सहायता करना, भूखे को भोजन कराना और दूसरों के दुःख-दर्द को समझना ऐसे कार्य हैं, जिनसे समाज में आत्मीयता और आपसी विश्वास बढ़ता है। सेवा का भाव व्यक्ति को दूसरों के प्रति संवेद-नशील बनाता है और समाज को अधिक मानवीय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

इस अवसर पर भगत राम गोयल, जगत गुप्ता, भाकराम कुमावत, कमला देवी, मनीष अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, विशाल अग्रवाल, शिवानी अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, सुरेश सिंघल एवं सोहनलाल दायमा सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने अन्नसेवा के इस नियमित सेवा कार्य में सहभागिता निभाते हुए मानवता, परोपकार और सामाजिक समर्पण की भावना को आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का यह सेवा अभियान इस विचार को मजबूत करता है कि समाज की सच्ची समृद्धि केवल आर्थिक प्रगति से नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, करुणा और जरूरतमंदों के प्रति जिम्मेदारी निभाने से होती है। निस्वार्थ सेवा की यही भावना समाज को जोड़ती है और मानवता के मूल्यों को जीवंत बनाए रखती है।

मंच बड़े हुए हैं, मगर साख कम हुई है। सनसनीखेज सच के प्रसार में संतुलित सच पीछे छूट जाता है। फॉलोअर्स खरीदे जा सकते हैं, लेकिन भरोसा नहीं। कोई भी वीडियो वायरल करने से पहले एक पल रुककर उसकी सत्यता जांचना जरूरी है। डिजिटल साक्षरता जागरूक नागरिक बनने की पहली शर्त है।

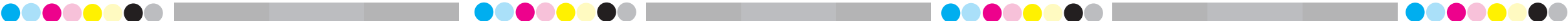
अवधेश कुमार सिन्हा ने प्रथम सत्र का संचालन किया, जबकि सचिव शिल्पी भटनागर ने आभार व्यक्त किया।

दूसरे सत्र में काव्यगोष्ठी आयोजित की गई। इसमें चंद्रप्रकाश दायमा, विनोदगिरी अनोखा, रमा बहेड, इंदु सिंह, मोनिका भट्ट, निशि कुमारी, भगवती अग्रवाल, डॉ. रक्षा मेहता, सुनीता लुछा, डॉ. संगीता शर्मा, स्वाति बालूरकर, भगवती अग्रवाल, वर्षा शर्मा, रेखा अग्रवाल, अंशु श्री सक्सेना, आर्या झा, किरण सिंह, शिल्पी भटनागर, मीना मुथा और कृष्णा सिंह आदि ने काव्यपाठ किया।

फ़थ्रुति कांत भारती, सुषमा त्रिपाठी, इंदुशेखर त्रिपाठी, भावना पुरोहित, रवि वैद तथा डॉ. आशा मिश्र इ़मुक्ताफ की भी पटल पर उपस्थिति रही।

अध्यक्षीय टिप्पणी में प्रो. ऋषभदेव शर्मा ने कहा कि काव्यगोष्ठी में पर्यावरण, हरियाली, बाल कविता और नवरात्रि पर्व सहित विभिन्न विषयों पर रचनाएं प्रस्तुत की गईं। कविताओं में विविधता रही, जिसके लिए उन्होंने सभी रचनाकारों को साधुवाद दिया। उन्होंने अपने अध्यक्षीय काव्यपाठ में जिंदगी के नाद पर बजता हुआ अनुवाद है, कविता कहाँ अनुवाद है? कविता प्रस्तुत की, जिसकी पंक्तियों ने सभी को भाव-विभोर कर दिया।

विनोदगिरी अनोखा ने सत्र के अंत में धन्यवाद ज्ञापित किया, शिल्पी भटनागर ने तकनीकी जिम्मेदारी निभाई और मीना मुथा ने काव्यगोष्ठी का संचालन किया।



वास्तु

बैडरूम का रखें खास ख्याल

घर में स्थित शयनकक्ष एक ऐसा स्थान है, जहां पर हम अपने जीवन का लगभग एक तिहाई हिस्सा व्यतीत करते हैं। पूरे घर में इस कक्ष का अपना अलग महत्व है। इसके महत्व के कारण ही वास्तु शास्त्रों में भी इसके बारे में विशेष बातें कही गई हैं। दिन भर की थकान और मानसिक परेशानियों से निपटकर हम इसी कक्ष से ताजगी लेकर निकलते हैं। इसलिए इस स्थान का वास्तु-संगत होना बेहद जरूरी है।

- वायव्य कोण (उत्तर-पश्चिम) में शयनकक्ष का होना अशुभ होता है। यह क्षेत्र अस्थिरता का क्षेत्र है। इस क्षेत्र में शयनकक्ष होने से जहां दंपत्य जीवन अस्तव्यस्त होता है, वहीं व्यावसायिक दृष्टि से भी गिरावट आती है।

- वर्गाकार तथा आयताकार शयनकक्ष उत्तम होता है। आसमान आकार का, अंग्रेजी अक्षर 'एल' के



आकार का अथवा गोलाकार शयनकक्ष अशुभ होता है।

- शयन कक्ष में मंदिर की स्थापना कदापि ना करें।
- अगर आपका पलंग चरमराता है, तो उसे फौरन ठीक करवाएं। यह शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के साथसाथ दंपत्य जीवन के लिए अशुभ फल देगा।

- शयन कक्ष का प्रवेश द्वार पलंग के एकदम सामने नहीं होना चाहिए।

- पलंग के नीचे कूड़ा-कंकट, जूते व अन्य फालतू सामान न रखें।

- अगर दंपत्य जीवन में मतभेद रहते हों तो पलंग पर दो मैट्रेस की जगह इकहरा (सिंगल) मैट्रेस बिछाएं।

- पलंग को शहतीर, गार्डर अथवा बीम के नीचे न लगाएं। बीम के नीचे शयन करने से जहां अनिद्रा व मानसिक परेशानी पैदा होगी वहीं वैवाहिक जीवन में यह तनाव का भी कारण बनता है।

- वैसे तो शयन कक्ष में प्रतिबिंब पैदा करने वाले साजो समान को शुभ नहीं माना जाता। परंतु अगर शयनकक्ष से दर्पण, टेलीविजन आदि को हटाना मुमकिन न हो तो रात को उन्हें ढंककर सोएं।

- शयनकक्ष में जंगली व क्रूर जानवरों तथा दुख की अभिव्यक्ति करने वाले चित्र न लगाएं।

- वैवाहिक जीवन के आनंदयम क्षणों की याद ताजा करने वाले चित्र नैऋत्य कोण (दक्षिण-पश्चिम) में लगाएं।

- अगर आप बॉक्स-बैड का उपयोग करते हैं तो इसके भीतर रखे गए सामान को व्यवस्थित करते रहें। टूटाफू टा समान बॉक्स बैड में ना रखें।

वास्तु और गृह निर्माण के साधारण नियम



वास्तु के साधारण नियमों का पालन यदि गृह निर्माण में किया जाए तो व्यक्ति निश्चित सफलता की ओर अग्रसर होता है, इसके विपरीत यदि इनका ध्यान न रखा जाए तो यह समस्याओं तथा विवाद का कारण बनता है।

- दक्षिण दिशा वरिष्ठ लोगों के लिए प्रशस्त है तथा शयन का स्थान है। यह स्थान गृहस्वामी का होता है तथा यहाँ से उसे आवश्यक ऊर्जा प्राप्त होती है। इस स्थान की ऊर्जा उसे सम्पूर्ण परिवार का दायित्व उठाने में सहायता करती है। इस स्थान पर शयन कक्ष में यह सावधानी बरतनी चाहिये कि यहां बच्चों को स्थान नहीं दें, वे यहां सोकर जिद्दी व हठीले हो जाएंगे।

- पश्चिम दिशा विद्याभ्यास की दिशा है। यहाँ पर बच्चों को स्थान दिया जाना चाहिए, बच्चो को यहाँ स्थान दिए जाने से उनका मन पढ़ाई में लगता है तथा उनमें अधिकाधिक समय वहाँ व्यतीत करने की आदत डलती है, इससे उनका समय नष्ट नहीं होता, वे अनुशासन में आते हैं तथा उन्नति के अवसर बढ़ जाते हैं।

- उत्तर दिशा औषधि के लिए प्रशस्त है। यहाँ पर भारी निर्माण नहीं कराना चाहिए। यहाँ पर भूमिगत जल या बोरिंग कराना शुभ रहता है।

- पूर्व दिशा स्नान का स्थान है तथा यहाँ पर भी भारी निर्माण नहीं कराया जाना चाहिए।

- नैऋत्य दिशा में अतिरिक्त 'शयन कक्ष' बनाया जा सकता है तथा घर का भारी सामान, अलमारियां, गहने इत्यादि रखे जा सकते हैं।

- वायव्यकोण में धान्य प्रस्तावित होता है अर्थात् यहाँ पर भंडारण की व्यवस्था (भंडार गृह) की व्यवस्था होती है, यह स्थान उच्चाटन की प्रवृत्ति लाता है,

अतः यहां पर कभी भी शयन कक्ष प्रस्तावित नहीं होने देना चाहिए, ना ही कभी यह स्थान बच्चों को दिया जाना चाहिए, वे दोस्तों में अधिक समय बिताने लगते हैं।

- ईशान कोण पूजा का स्थान है (देवगृह) तथा यहाँ भी भारी निर्माण वर्जित है, यहाँ पर भी भूमिगत जल या बोरिंग कराना शुभ होता है।

- अग्निकोण, रसोई के लिए प्रशस्त है तथा बिजली के मीटर एवं अन्य इलैक्ट्रिक उपकरणों को यहाँ स्थान दिया जा सकता है।
- अग्निकोण तथा पूर्व दिशा के मध्य का स्थान सत्य नामक नामक देवता का होता है और यह स्थान 'अनुसंधान एवं विकास' हेतु प्रयुक्त होता है, आधुनिक संदर्भ में यहाँ कम्प्यूटर को स्थान दे सकते हैं। प्रतिभा को उभारने में यह जगह मदद करती है। हालाँकि बच्चों व विद्याभ्यास दोनों हेतु पश्चिम दिशा मध्य ही श्रेष्ठ होती है, पर इस स्थान का भी उपयोग किया जा सकता है।

- पूर्व दिशा तथा ईशान दिशा के मध्य के स्थान का उपयोग किसी भी कार्य हेतु किया जा सकता है। 11. इशान दिशा में पूजा के नाम से भारी मंदिर नहीं बनाना चाहिये।

- वायव्य कोण से पश्चिम दिशा का स्थान रोदन का स्थान होता है, यहाँ पर व्यक्ति अपनी सम्पूर्ण भावनाओं को व्यक्त कर देता है, यहाँ पर भोजन, बैठक इत्यादि की व्यवस्था की जा सकती है।

- पश्चिम दिशा मध्य से नैऋत्य कोण तक स्थान विद्याभ्यास का होता है तथा यहाँ पर बच्चों के कक्ष के अंतर्गत पढ़ाई की टेबल प्रस्तावित की जा सकती है तथा कम्प्यूटर इत्यादि भी लगा सकते हैं। 14. नैऋत्य कोण से दक्षिण दिशा के मध्य 'पाखाने' या 'टॉयलेट' के लिए प्रस्तावित है, दक्षिण दिशा मध्य में शयन कक्ष बनाते समय संग में या अलग से शौचालय डाला जा सकता है। प्राचीन वास्तुशास्त्र में केवल वही जगह टॉयलेट के लिए बनाई गई है।

- मध्य स्थान या ब्रह्म स्थान खाली छोड़ा जाना चाहिए। आधुनिक परिस्थितियों में यदि सम्भव ना हो सके तो यहाँ भारी निर्माण न कराएं, न ही यहाँ पर खंभे इत्यादि खड़े किये जाएं और न ही यहाँ पर जल संग्रहण किया जाए। यहाँ पर लॉबी, खाली स्थान अत्यंत हल्की सजावट इत्यादि हो सकते हैं।

सिर्फ सार्वजनिक मंदिरों के लिए ही होते हैं, इस बात का विशेष ख्याल रखें।

- अपने शयनकक्ष में कभी भी मंदिर की स्थापना न करें। क्योंकि आपका शयन कक्ष रति क्रिया अर्थात रजो-तमो और वीर्य जैसी क्रियाओं का स्थल है। वहां पर सात्विक कर्मों के कारक मंदिर की स्थापना कदापि शुभ फल नहीं देगी।

- पूजा स्थल में देहरी जरूर बनवाएं। इसमें दरवाजा भी दो किवाड़ों वाला ही लगाया जाना चाहिए।

- पूजा स्थल के ऊपर टायलेट, स्टोर आदि जैसा अपवित्र स्थान न बनाएं।

- बिना आसन बिछाएं कभी भी जप-तप या पूजा-पाठ न करें। केबल का आसन सबसे उपयोगी माना जाता है।

- पूजा स्थल में एक ही देवता की प्रतिमा या चित्र स्थापित करें।

- पूजा करते समय आपका मुंह पूर्व, उत्तर अथवा ईशान की ओर हो तो शुभ फल मिलता है।

- पूजा में उपयोग किए जाने वाले बर्तन चांदी, तांबे अथवा कांसे के हों।

जल को देवता माना गया है वेदों में

ब्रह्मपुराण में कहा गया है कि

‘जल’ विष्णु का निवास स्थान (अथवा जल ही उनका स्वरूप) है। विष्णु ही ‘जल’ के स्वामी हैं। इस कारण सदैव जल में पापहारी विष्णु का स्मरण करना चाहिए। सभी देवगण जल रूप हैं। पितृगण भी जल रूप ही हैं। इस कारण पितरों से अपनी भलाई की अपेक्षा करने वाले को जल में ही पितरों का ‘तर्पण’ करना चाहिए। रुद्रयामल तन्त्र के अनुसार ‘जल के अधिपति’ श्री गणेश जी हैं। वेदों में जल को एक महनीय देवता माना गया है। ऋग्वेद के चार स्वतंत्र सूक्तों में जल की देवता रूप में स्तुति की गयी है। इसके अतिरिक्त कई प्रकीर्ण सूक्तों के कतिपय मंत्रों में इनकी स्तुतियां प्राप्त होती हैं। साथ ही वाजसनेयी, काठक, कपिल, काण्व, तैत्तिरीय, मैत्रायणीय आदि संहिताओं के अतिरिक्त अथर्वण संहिता में भी जल देवता से संबंधित अनेक सूक्त तथा मंत्र भी उपलब्ध होते हैं। आचार्य यास्क ने जल देवता को मध्यम स्थानीय देवता मानकर प्रसिद्ध अप्सूक्त की विस्तृत व्याख्या की है।

मनुष्य तथा अन्य प्राणियों के शरीर में जल का पर्याप्त भाग है और उसे पान किये बिना बहुत देर तक कोई जीवित नहीं रह सकता तथा मनुष्य की पवित्रता संबंधी शौच, स्नान, मार्जन, प्रक्षालन, देवपूजन आदि सभी क्रियाएं एकमात्र जल पर ही आलम्बित रहती हैं। संध्यादि कर्मों में स्नान, मार्जन, अघमर्षण आदि से सूर्यार्ध्र्य पर्यन्त जल का ही मुख्य प्रयोग होता है। कृषि, अन्नपाक और वस्त्र आदि प्रक्षालन की क्रियाओं में जल देवता ही मुख्य कारण हैं। नदी आदि तीर्थों तथा भूमि के भी अन्तर्भाग में जल ही व्याप्त हैं। इसीलिये सम्पूर्ण प्राणी जलाधार पर ही अधिष्ठित रहते हैं और मत्स्यादि जलचों



के लिए तो जल देवता ही सब कुछ हैं। इसलिये इन्हें जगत का जीवन कहा गया है और कोई भी प्राणी इनके उपकारों का बदला नहीं चुका सकता। अतः जल देवता की जितनी भी पूजा उपासना की जाये अल्प ही है। जल का एक नाम जीवन है। यह प्राणी के जीवन का आधार है। इस जल के अधिपति देवता वरुण हैं। वेद ने आदेश दिया है कि हम प्रतिदिन जलाधिपति वरुण की नित्य प्रार्थना इस प्रकार किया करें- ‘हे दिव्य जलाधिपति वरुणदेव! आप हमारे स्नान और पान में सुख

प्रदान करते रहें। यह जल हमारे रोगों का शमन करे और सारी भीतियों को भी भगाता रहे।’

ऋग्वेद में भी आया है कि वरुण देवता के गृह जलीय होते हैं। विश्वकर्मा ने इनकी सभा जल के भीतर रहकर ही बनायी थी। वहां प्रह्लाद, बलि आदि दैत्य, वासुकि आदि नाग उनकी उपासना में रत रहते हैं। जल के साथ वरुण देवता के इस घनिष्ठ संबंध को सूचित करने के लिए शास्त्र ने इनके अम्बुद, अम्बुपति, आपम्पति, जलाधिपति, यादसाम्भर्ता आदि बहुत-से नाम बताये हैं। हरिवंश, भविष्यपर्व में वर्णन आता है कि उपयुक्त अवसर आने पर इनकी सहायता के लिए चारों ओर से समुद्र इनको घेरकर खड़े हो जाते हैं। नाग, कच्छप और मत्स्य भी इनको चारों ओर से घेरकर अपनी कर्तव्यनिष्ठा निभाते हैं। निरुक्त ने ऋग्वेद की एक ऋचा उद्धृत कर यह बताया है कि वरुण देवता मेघ मण्डल के जल में विचरण करते हैं और आवश्यकता पड़ने पर पृथ्वी पर जल बरसाते हैं। ये निरन्तर मनुष्यों के कल्याण में लगे रहते हैं।

कब चमकेगे

सफलता के सितारे

कई बार जीवन

में अवसर आते है, चाँस मिलता है मगर बेस्ट परफार्म करने के बाद भी या तो वह मौका हाथ से निकल जाता है या फिर उस कार्य में तकलीफें ही आती-जाती है। ऐसी स्थिति बार-बार उत्पन्न होने पर किसी का भी डिप्रेस होना स्वाभाविक है और युवा जिनके लिए जीवन का एक-एक क्षण कीमती होता है, इस डिफ्रिट के चलते नेगेटिव सोच के शिकार होकर डिप्रेशन के अंधेरे में चले जाते हैं।

आइए देखें, ग्रहों की इसमें क्या भूमिका है। जब कुंडली में कहीं भी शनि-मंगल, राहु-मंगल, राहु-शनि, शनि-केतु जैसी युति-प्रतियुति हो तो ये जीवन में अनसर्टेनिटी का निर्माण कर देती है। आपके फोकस को कम करती है और कई बार गलत डिसीजन के चलते अच्छे-खासे मौके हाथ से फिसल जाते हैं।

इसके अलावा यदि लग्न का स्वामी ग्रह और चंद्रमा भी कमजोर हो, अस्त हो, शत्रु क्षेत्री हो तो स्थिति विकट हो जाती है। क्या करें : यदि कुंडली में ऐसे कुयोग है तो सबसे पहले स्वभाव में, वाणी में नम्रता व लचीलापन लाएँ। स्वयं को बेहिसाब संघर्ष के लिए तैयार रखें। खूब मेहनत और व्यायाम करने की आदल डालें। बड़ों का व स्त्री का भूल कर भी अपमान न करें। गुरु की शरण में रहें।

इनके अलावा इस कुयोग के उपाय यानि ग्रह-शांति, जप, दान करें। मुख्य ग्रह यानी लग्न के स्वामी और चंद्रमा की मजबूती के उपाय करें। फिर धैर्य के साथ आगे बढ़ते जाएँ।

रूप एक, गुण अनेक

माई ऐसा पूत जण,कै दाता कै सूर।

नाहिरह तू बाँझड़ी,मती गवावें नूर।।

पुत्रवती जुबतीजग सोई।

रघपतिभगतुजासुसुतुहोई।।

श्री हनुमान अंजना नामक माता के आनंद को बढ़ाने वाले हैं। यह आनंद केवल दो बातों से होता है-पुत्र की वीरता से या पुत्र की रामभक्तिसे। यह दोनों बातें श्री हनुमान के जीवन में पद-पद पर दृष्टिगोचर होती है। श्री हनुमान एकादश रूद्रोंके मध्य ग्याहरवैरूद्रहैं। वे परम कल्याण स्वरूप साक्षात शिव है। पुराणों में हनुमान जी के रूद्रावतारात्मकप्रसंग तथा वर्णन प्रचुरतासे प्राप्त होते हैं। सभी पुराणों में राम कथा के बारे में चरित्र चित्रण मिलता है।

श्री हनुमान की जन्म कथा दिव्य एवं रहस्यमयी है। हनुमान ने भगवान श्रीराम के आदर्श राम राज्य स्थापना में जो सहयोग दिया,वह विभिन्न रामायणों में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। उन्होंने अपना तम-मन सर्वस्व श्रीराम के चरणों में समर्पित कर दिया। पवन सुत के संपूर्ण गुणों का वर्णन करना तो असंभव है तथापि उनकी स्वामिभक्ति, अपूर्व त्याग, ज्ञान की पूर्णत,निर्भमानिताएवं अद्भुत चातुर्य गुण जो मानव जाति के लिए अनुकरणीय हैं, उनका उल्लेख करना इनके प्रति सच्ची भक्ति है।

स्वामिभक्ति श्री हनुमान जी सातवीं दास्य भक्ति के आचार्य माने जाते हैं। स्वामी की आज्ञा पालन ही सेवक का धर्म है। लंका प्रवेश, लक्ष्मण मूर्छा,रावण वध और उसके बाद अयोध्या लीला में भी हमें पवनसुतकी भक्ति का दर्शन होता है। यही कारण है कि हम आज भी हमें गांव-गांव में छोटे-छोटे रूप में प्रतिष्ठित श्री हनुमान के दर्शन होते हैं।

निरभमानित्वअभिमानसुरापानम्कह कर शास्त्रों ने अभिमान को सुरापान के समान त्याज्य माना गया है। हनुमान जी में लेशमात्र भी अभिमान नहीं था। निरभमानित्वभक्ति के मार्ग में भूषण स्वरूप है। इसी इनके गुण के देखकर स्वयं श्री राम ने कहा कपिवरतुम्हारे किए उपकारों के बदले मैं अपना प्राण अर्पण कर दूँ तो



भी अन्य उपकारों का ऋण मेरे जिम्मे रह जाता है। अतःहनुमान जी ने तुरंत उत्तर दिया- सो सब तबप्रताप रघुराई नाथ न कछूमोरी प्रभुताई। यही तो इनके जीवन की कृतार्थताहै कि श्रीराम उनके ऋणी हैं।

अदभुतचातुर्य जिस भक्त के ऊपर भगवान की कृपा होती है, उसे वे अपने सदगुणोंका दान देते हैं। सीता को

राम ने वह प्रसंग सुनाया जिससे कपिवरने ब्राह्मण से संपुटितमंत्र द्वारा चंडी महायज्ञ में जिस मंत्र द्वारा हवन किया जाना रहा था। उसके एक अक्षर का परिवर्तन का वरदान मांग लिया। ब्राह्मणों ने तथास्तु कह दिया। यह यज्ञ रावण की विजय के लिए था। उस श्लोक में भूतातिहारिणीमें हुं के उच्चारण का वर मांगा।

स्वस्तिक से पाएं सकारात्मक ऊर्जा

सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त करने के तरीकों में स्वस्तिक का महत्वपूर्ण स्थान है। इसीलिए स्वस्तिक ने मंगल चिन्हों में प्रतिष्ठा प्राप्त की है। मंगल प्रसंगों के अवसर पर पूजा स्थान तथा दरवाजे की चौखट और प्रमुख दरवाजे के आसपास स्वस्तिक चिन्ह बनाने की परंपरा है।

वे स्वस्तिक कतई परिणाम नहीं देते, जिनका संबंध प्लास्टिक, लोहा, स्टील या लकड़ी से हो। सोना, चांदी, तांबा अथवा

पंचधातु से बने स्वस्तिक प्राण प्रतिष्ठित करवाकर चौखट पर लगवाने से सुखद परिणाम देते हैं, जबकि रेली-हल्दी-सिंदूर से बनाए गए स्वस्तिक आत्मसंतुष्टि ही देते हैं। अशांति दूर करने तथा पारिवारिक प्रगति के लिए स्वस्तिक यंत्र रवि-



पुष्य, गुरु-पुष्य तथा दीपावली के अवसर पर लक्ष्मी श्रीयंत्र के साथ लगाना लाभदायक है।

अकेला स्वस्तिक यंत्र ही एक लाख बовिस धनात्मक ऊर्जा उत्पन्न करने में सक्षम है। वास्तुदोष के निवारण में भी चीनी कछुआ ७०० बовिस भर

देने की क्षमता रखता है, जबकि गणेश की प्रतिमा और उसका वैकल्पिक स्वस्तिक आकार एक लाख बोविस की समानता रहने से प्रत्येक घर में स्थापना वास्तु के कई दोषों का निराकरण करने की शक्ति प्रदान करता है।

गाय के दूध, गाय के दूध से बने हुए दही और घी, गोनीत, गोबर, जिसे पंचगव्य कहा जाता है,

को समानुपात से गंगा जल के साथ मिलाकर आम अथवा अशोक के पत्ते से घर तथा व्यावसायिक केंद्रों पर प्रतिदिन छिंटकाव करने से ऋणात्मक ऊर्जा का संहार होता है। तुलसी के पौधे के समीप शुद्ध घी का दीपक प्रतिदिन लगाने से सकारात्मक ऊर्जा मिलती है।

भारत ने न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराया

क्राइस्टचर्च। भारत की आक्रामक बल्लेबाजी के आगे न्यूजीलैंड अपने सर्वश्रेष्ठ टी-20 स्कोर का बचाव नहीं कर पाया। संजू सैमसन (67), कप्तान श्रेयस अय्यर (42) और नमन धीर (नाबाद 42) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत भारतीय टीम ने गुरुवार को पहले टी-20 मुकाबले में न्यूजीलैंड को दो गेंदें शेष रहते चार विकेट से शिकस्त दी।

इस जीत के साथ भारत ने पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। 226 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम के लिए संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी ने तेज शुरुआत करते हुए 5.5 ओवरों में 93 रन जोड़े। माइकल ब्रेसवेल ने अभिषेक शर्मा को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। अभिषेक शर्मा ने 12 गेंदों में दो चौके और तीन



छक्के लगाते हुए (29) रन बनाये। इसके बाद नौवें ओवर में भारत का दूसरा विकेट संजू सैमसन के रूप में गिरा। संजू सैमसन ने 33 गेंदों में आठ चौके और चार छक्के उड़ाते हुए (67) रनों की पारी खेली। तिलक वर्मा (छह) और इशान किशन (एक) रन बनाकर आउट हुये। अक्षर पटेल ने 14 गेंदों में तीन चौकों और

एक छक्के की मदद से (24) रन बनाये। वह 15वें ओवर में पांचवें विकेट के रूप में आउट हुये। उन्हें लॉकी फर्ग्युसन ने आउट किया। 19वें ओवर की पहली गेंद पर ऐडम मिल्न ने शानदार बल्लेबाजी कर रहे कप्तान श्रेयस अय्यर का शिकार कर भारत का छठा झटका दिया। श्रेयस अय्यर ने 28 गेंदों में एक चौके और दो छक्का उड़ाते हुए (42) रनों की पारी खेली। भारत ने 19.4 ओवरों में छह विकेट पर 230 रन बनाकर मुकाबला चार विकेट से अपने नाम कर लिया।

मैच फिनिशर नमन धीर ने छक्का लगाकर भारत को जीत दिलाई। नमन धीर ने 15 गेंदों में पांच चौके और दो छक्के उड़ाते हुए (नाबाद 42) रनों की मैच विजयी पारी खेली। नीतीश कुमार रेड्डी दो रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड के लिए माइकल ब्रेसवेल और मिचेल

सैंटनर ने दो-दो विकेट लिये। लॉकी फर्ग्युसन और ऐडम मिल्न ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां ग्लेन फिलिप्स (नाबाद 82) और फिन ऐलन (45) रनों की शानदार पारियों के दम पर न्यूजीलैंड ने भारत को जीत के लिए 226 रनों का लक्ष्य दिया था। भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड के लिए टिम साइफर्ट और फिन ऐलन की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 49 रन जोड़े। पांचवें ओवर में मयंक यादव ने टिम साइफर्ट (24) को आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। साइफर्ट ने अपनी पारी में तीन चौके और एक छक्का लगाया। इसके बाद आठवें ओवर में अक्षर पटेल ने अर्धशतक की ओर बढ़ रहे फिन ऐलन का शिकार कर लिया।

न्यूज़ीलैंड

अनाहत सिंह का बड़ा उलटफेर, आठ बार की विश्व चैंपियन नूर एल शेरबिनी को हराया, वर्तार फाइनल में पहुंची 18 वर्षीय अनाहत, अब सलमा हानी से होगा सामना

रेड्बुड सिटी। भारत की युवा स्वर्ण खिलौनी अनाहत सिंह ने सिलिकान वैली ओपन में बड़ा उलटफेर करते हुए आठ बार की विश्व चैंपियन मिस की नूर एल शेरबिनी को हराकर वर्तार फाइनल में प्रवेश कर लिया। गुरुवार को खेले गए दूसरे दौर के मुकाबले में 18 वर्षीय अनाहत ने दुनिया की तीसरे नंबर की और शीर्ष वरीयता प्राप्त शेरबिनी को सीधे गेम्स में 11-8, 11-8, 11-7 से हराया। मुकाबला 30 मिनट तक चला। विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज अनाहत के करियर की यह सबसे बड़ी जीत मानी जा रही है। हाल ही में एशियाई खेलों में एकल स्पर्धा का रजत पदक जीतने वाली भारतीय खिलाड़ी ने इस प्रदर्शन से अपनी क्षमता का एक बार फिर परिचय दिया। एक लाख 43 हजार 500 अमेरिकी डालर की पुरस्कार राशि वाले पीएसए गोल्ड टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में अब अनाहत का सामना मिस की सलमा हानी से होगा। हानी विश्व रैंकिंग में 14वें स्थान पर है। अनाहत ने इससे पहले मिस की नूर अबुलमकरिम को सीधे गेम्स में हराकर टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत की थी। अब शेरबिनी जैसी अनुभवी और दिग्गज खिलाड़ी को मात देकर उन्होंने खिलाती का दौड़ में अपनी दावेदारी मजबूत कर दी है।

पंजाब में हाकी का महाकुंभ: घर वापसी का भावनात्मक अवसर



जालंधर। अगले सप्ताह से भारतीय हाकी के कई सितारे यहां होने वाली एशियन चैंपियंस ट्राफी 2026 में खेलते दिखेंगे। जालंधर और मोहाली में खेलते जाने वाले इस टूर्नामेंट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह, मनप्रीत सिंह, मंदीप सिंह, जरमनप्रीत सिंह, दिलप्रीत सिंह और कृष्ण बहादुर पाठक जैसे कई दिग्गज खिलाड़ी अपने घरेलू मैदान पर खेलते दिखेंगे। यह उनके लिए सिर्फ एक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता नहीं, बल्कि अपने जड़ों से जुड़ने और उस मैदानों पर खेलने का एक भावनात्मक अवसर है, जहाँ से उन्होंने शुरुआत की थी। जालंधर स्थित सुरजीत हाकी अकादमी का मैदान इन खिलाड़ियों के लिए विशेष महत्व रखता है। यहीं पर इनमें से कई सितारों ने अपने करियर की शुरुआत की रखी और बड़े सपने देखने का साहस जुटाया। इसी को देखते हुए अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह ने इस अवसर पर अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा कि पंजाब में अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट खेलना उनके लिए बेहद भावुक क्षण होगा। उन्होंने बताया, सुरजीत हाकी अकादमी में बिताए समय ने हमें सिर्फ हाकी खेलना ही नहीं सिखाया, बल्कि हमें बड़े सपने देखने की हिम्मत भी दी।

एशियाई पैरा खेल: स्वाति चौधरी ने महिला डब्ल्यू-1 व्यक्तिगत तीरंदाजी में जीता रजत

आइवी-नागोया। भारतीय तीरंदाज स्वाति चौधरी ने एशियाई पैरा खेल-2026 में महिला डब्ल्यू-1 व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक जीता। गुरुवार को खेले गए फाइनल में उन्हें चीन की मंगकान सेन के खिलाफ 6-4 से अपने नाम कर लिया। इस तरह स्वाति को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। उनके पास भारत के लिए इस प्रतियोगिता में तीरंदाजी का पहला स्वर्ण पदक जीतने का अवसर था। भारत के अब तक के 63 पदकों में 14 स्वर्ण, 22 रजत और 27 कांस्य पदक शामिल हैं। प्रतियोगिता के तीसरे दिन भारत पदक तालिका में छठे से पांचवें स्थान पर पहुंचा था। मेरठ में करती हैं अभ्यास उत्तर प्रदेश के मेरठ की रहने वाली 37 वर्षीय स्वाति चौधरी पैरा तीरंदाजी की डब्ल्यू-1 श्रेणी में प्रतिस्पर्धा करती हैं। इस श्रेणी में ऐसे खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं, जिनके हाथों और पैरों में गंभीर शारीरिक दिव्यांगता होती है। स्वाति मेरठ की गुरुकुल तीरंदाजी अकादमी में कोच सत्यदेव प्रसाद के मार्गदर्शन में अभ्यास करती हैं। सीमित आर्थिक सहयोग के बावजूद स्वाति ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार अच्छे प्रदर्शन से अपनी पहचान बनाई है। बेंकाक में 2026 में आयोजित विश्व तीरंदाजी पैरा सीरीज में उन्होंने महिला डब्ल्यू-1 व्यक्तिगत, महिला टीम और मिश्रित टीम स्पर्धाओं में तीन रजत पदक जीते थे। इसके अलावा, उन्होंने 2025 की राष्ट्रीय पैरा तीरंदाजी चैंपियनशिप और खेलो इंडिया पैरा खेलों में महिला डब्ल्यू-1 स्पर्धा का स्वर्ण पदक अपने नाम किया था।

एशियाई पैरा खेल : शीतल देवी ने व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा में भी जीता स्वर्ण

सिंगापुर की नूर अलीम स्याहिदा को 142-139 से हराया दो स्वर्ण और एक रजत के साथ अभियान समाप्त किया

आइवी-नागोया। भारत की स्टार पैरा तीरंदाज शीतल देवी ने एशियाई पैरा खेलों में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए महिला व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीत लिया। उन्होंने स्वर्ण पदक के मुकाबले में सिंगापुर की नूर अलीम स्याहिदा को 142-139 से हराया। इस जीत के साथ शीतल ने प्रतियोगिता में दो स्वर्ण और एक रजत पदक के साथ अपना अभियान समाप्त किया। इससे पहले शीतल ने तोमन कुमार के साथ कंपाउंड मिश्रित टीम तीरंदाजी स्पर्धा का स्वर्ण जीता था। इसके अलावा पायल नाग के साथ रजत पदक पर कब्जा किया था।



आइवी-नागोया। भारत की भाविना पटेल और शुभम वाघवा ने एशियाई पैरा खेलों की पैरा टेबल टेनिस प्रतियोगिता में मिश्रित युगल वर्ग एक्सडी-7 में कांस्य पदक जीता। भारतीय जोड़ी को सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया के येओंगजिन जांग और मियू ली के खिलाफ 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद भाविना और शुभम ने कांस्य पदक अपने नाम किया। सेमीफाइनल मुकाबले में दक्षिण कोरियाई जोड़ी ने 11-6, 8-11, 11-5, 11-9 से जीत दर्ज की। भारतीय जोड़ी ने दूसरे गेम में वापसी करते हुए मुकाबले को बराबरी पर ला दिया, लेकिन अगले दोनों गेम गवाने के कारण उसे फाइनल में पहुंचने का मौका नहीं मिला। आइवी-नागोया में यह भारत का पैरा टेबल टेनिस की युगल स्पर्धाओं में पहला पदक है। वहीं, इस प्रतियोगिता के मौजूदा संस्करण में टेबल टेनिस में भारत का यह छठा पदक है। भाविना का इन खेलों में यह दूसरा पदक है। इससे पहले उन्होंने महिला एकल वर्ग 4-5 में कांस्य पदक जीता था। इस पदक के साथ भारत की कुल पदक संख्या 73 हो गई है। भारतीय खिलाड़ियों ने अब तक 17 स्वर्ण, 22 रजत और 34 कांस्य पदक जीते हैं।

भारतीय तीरंदाजी को गौरवान्वित किया। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ की रहने वाली शीतल देवी जन्म से ही दोनों हाथों के बिना हैं। इसके बावजूद उन्होंने अपनी शारीरिक चुनौती को सफलता की राह में बाधा नहीं बनने दिया। वह पैरों और टांगों की मदद से धनुष को संभालती हैं और कंधे तथा जबड़े के सहारे प्रत्येक खींचकर निशाना साधती हैं। उनकी असाधारण तकनीक ने उन्हें विश्व तीरंदाजी में विशिष्ट पहचान दिलाई है।

शीतल ने वर्ष 2023 में विश्व पैरा तीरंदाजी चैंपियनशिप में रजत पदक जीतकर इतिहास रचा था। वह इस स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने वाली बिना हाथों की दुनिया की पहली महिला तीरंदाज बनीं। उन्हें वर्ष 2023 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विश्व तीरंदाजी ने उन्हें दो बार वर्ष की सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाज भी चुना है। वर्ष 2024 के पेरिस पैरालंपिक में उन्होंने मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। वर्ष 2025 की विश्व पैरा तीरंदाजी चैंपियनशिप में भी उन्होंने महिला कंपाउंड ओपन स्पर्धा का स्वर्ण और महिला टीम स्पर्धा का रजत पदक हासिल किया। भारत पदक तालिका में 73 पदकों (17 स्वर्ण, 22 रजत और 34 कांस्य) के साथ पांचवें स्थान पर है।



आइवी-नागोया। भारत की भाविना पटेल और शुभम वाघवा ने एशियाई पैरा खेलों की पैरा टेबल टेनिस प्रतियोगिता में मिश्रित युगल वर्ग एक्सडी-7 में कांस्य पदक जीता। भारतीय जोड़ी को सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया के येओंगजिन जांग और मियू ली के खिलाफ 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद भाविना और शुभम ने कांस्य पदक अपने नाम किया। सेमीफाइनल मुकाबले में दक्षिण कोरियाई जोड़ी ने 11-6, 8-11, 11-5, 11-9 से जीत दर्ज की। भारतीय जोड़ी ने दूसरे गेम में वापसी करते हुए मुकाबले को बराबरी पर ला दिया, लेकिन अगले दोनों गेम गवाने के कारण उसे फाइनल में पहुंचने का मौका नहीं मिला। आइवी-नागोया में यह भारत का पैरा टेबल टेनिस की युगल स्पर्धाओं में पहला पदक है। वहीं, इस प्रतियोगिता के मौजूदा संस्करण में टेबल टेनिस में भारत का यह छठा पदक है। भाविना का इन खेलों में यह दूसरा पदक है। इससे पहले उन्होंने महिला एकल वर्ग 4-5 में कांस्य पदक जीता था। इस पदक के साथ भारत की कुल पदक संख्या 73 हो गई है। भारतीय खिलाड़ियों ने अब तक 17 स्वर्ण, 22 रजत और 34 कांस्य पदक जीते हैं।

एशियाई पैरा खेल : संजना, सुहास और अभिजीत को कांस्य, नवीन फाइनल में पहुंचे

पैरा बैडमिंटन में भारत का शानदार प्रदर्शन, एशियाई पैरा खेलों में पदार्पण पर संजना ने जीता पदक

आइवी-नागोया। एशियाई पैरा खेल-2026 में भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। संजना कुमारी, सुहास यतिराज और अभिजीत सुखीजा ने अपनी-अपनी स्पर्धाओं में कांस्य पदक जीते, जबकि नवीन शिवकुमार ने पुरुष एकल एसएल-4 के फाइनल में जगह बना ली है। संजना और नवीन के लिए यह एशियाई पैरा खेलों का पदार्पण है।

पदार्पण पर संजना ने जीता कांस्य

महिला एकल एसएल-3 स्पर्धा के सेमीफाइनल में संजना कुमारी को जापान की शिनो कवाई के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। संजना ने मुकाबले में संघर्ष किया, लेकिन सीधे गेम्स में 7-21, 9-21 से हार गई। फाइनल में जगह बनाने से चूकने के बावजूद उन्होंने कांस्य



पदक हासिल किया। एशियाई पैरा खेलों में अपने पहले ही अभियान में पदक जीतना संजना के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

सुहास यतिराज को रोमांचक मुकाबले के बाद कांस्य

पुरुष एकल एसएल-4 के सेमीफाइनल में भारत के सुहास लालिनाकरे यतिराज को इंडोनेशिया के फ्रेडी सेतियावान से कई मुकाबले में हार मिली। सुहास ने पहला गेम 21-23 से गंवाया, लेकिन दूसरे गेम में शानदार वापसी करते

हुए 21-8 से जीत दर्ज की और मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचाया। तीसरे गेम में मुकाबला 11 अंक तक बराबरी का रहा, लेकिन इसके बाद इंडोनेशियाई खिलाड़ी ने बढ़त बनाते हुए 21-23, 21-8, 15-21 से मैच जीत लिया। इस हार के साथ सुहास को कांस्य पदक मिला।

नवीन फाइनल में, अभिजीत को कांस्य

पुरुष एकल एसएल-4 के दूसरे सेमीफाइनल में भारत के नवीन शिवकुमार ने हमवतन अभिजीत सुखीजा को सीधे गेम्स में हराकर फाइनल में प्रवेश किया। दुबाव के क्षणों में संयम बनाए रखते हुए नवीन ने अहम अंकों पर बेहतर प्रदर्शन किया और स्वर्ण पदक की ओर एक कदम बढ़ाया।

एशियाई पैरा खेलों में पदार्पण कर रहे नवीन ने फाइनल में जगह बनाकर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। वहीं, सेमीफाइनल में हार के बाद अभिजीत सुखीजा को कांस्य पदक मिला। इस तरह भारतीय खिलाड़ियों ने पैरा बैडमिंटन में तीन और पदक अपने नाम किए, जबकि नवीन के पास अब स्वर्ण जीतने का अवसर है।

एशियाई पैरा खेल : सुवर्णा राज ने जीता स्वर्ण, भारत को दो और कांस्य पदक

आइवी-नागोया। भारतीय पैरा एथलीट सुवर्णा राज ने एशियाई पैरा खेल-2026 में गुरुवार को महिला चक्का फेंक की एफ-54 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर भारत को दिन का पहला स्वर्ण दिलाया। उन्होंने 15.66 मीटर की दूरी तय कर शीर्ष स्थान हासिल किया। वहीं, पैरा बैडमिंटन में मनीषा रामदास और प्रमोद भगत की जोड़ी के साथ कृष्णा नागर और नित्या श्री ने भी कांस्य पदक जीते। इन पदकों के साथ भारत की पदक संख्या बढ़कर 66 हो गई है।

चक्का फेंक में सुवर्णा ने 15.66 मीटर के प्रयास से हासिल किया पहला स्थान

पैरा बैडमिंटन में मनीषा रामदास-प्रमोद भगत और कृष्णा नागर-नित्या श्री को कांस्य

छह खिलाड़ियों के बीच हुई चक्का फेंक स्पर्धा में सुवर्णा ने अपने छह प्रयासों में से चार बार चक्का 15 मीटर से अधिक दूर फेंका। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पांचवें प्रयास में आया। ईरान की शाहला हदीदी ने 15.45 मीटर के प्रयास से रजत, जबकि वियतनाम की गुयेन थो न्गोक थुई ने 14.65 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता। सुवर्णा उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा की रहने वाली हैं और एफ-54 श्रेणी में प्रतिस्पर्धा करती हैं। वर्ष 2017 से खेलों में सक्रिय सुवर्णा तीन एशियाई पैरा खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं।



वर्ष 2026 में आस्ट्रेलिया के कैनबरा में आयोजित ट्रेक मीट में उन्होंने चक्का फेंक में स्वर्ण और गोला फेंक में रजत पदक जीता था। दुबई में आयोजित विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रैंड प्री में भी उन्होंने कांस्य पदक हासिल किया था।

मनीषा और प्रमोद को मिश्रित युगल में कांस्य

पैरा बैडमिंटन की मिश्रित युगल एसएल-3-

एसयू-5 स्पर्धा के सेमीफाइनल में भारतीय जोड़ी मनीषा रामदास और प्रमोद भगत को इंडोनेशिया की ओकटीला लेआनी रत्नी और हिकमत रमदानी के खिलाफ 21-16, 13-21, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जोड़ी ने पहला गेम जीता, लेकिन अगले दोनों गेम गंवा दिए। सेमीफाइनल में हार के बाद मनीषा और प्रमोद को कांस्य पदक मिला।

कृष्णा नागर और नित्या श्री ने भी जीता कांस्य

भारत के कृष्णा नागर और नित्या श्री ने मिश्रित युगल एसएल-6 स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया। सेमीफाइनल में भारतीय जोड़ी को इंडोनेशिया की रेना मार्लीना और सुब्बन के खिलाफ 14-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा। दोनों गेम में कड़ा मुकाबला हुआ, लेकिन इंडोनेशियाई जोड़ी ने बढ़त बनाए रखते हुए फाइनल में जगह बनाई। हार के बावजूद कृष्णा और नित्या ने कांस्य पदक जीतकर भारत के पदक

खाते में एक और पदक जोड़ा। एसएल-3-एसयू-5 मिश्रित युगल स्पर्धा के फाइनल में भारत की थुलासिमथि मुरुगेसन और निदेश कुमार का सामना इंडोनेशियाई जोड़ी से होगा। भारतीय जोड़ी के पास स्वर्ण पदक जीतने का अवसर है।

स्वाति चौधरी ने जीता रजत

इससे पहले भारतीय तीरंदाज स्वाति चौधरी ने महिला डब्ल्यू-1 व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक जीता। फाइनल में उन्हें चीन की मंगकान सेन ने 6-4 से हराया। स्वाति ने मुकाबले में 4-2 की बढ़त बनाई थी, लेकिन चीनी तीरंदाज ने वापसी करते हुए स्वर्ण पदक जीत लिया। गुरुवार को सुवर्णा राज के स्वर्ण, स्वाति चौधरी के रजत और पैरा बैडमिंटन में दोनों जोड़ियों के कांस्य पदक सहित भारत की पदक संख्या 66 हो गई है। खबर लिखे जाने तक भारतीय खिलाड़ियों ने अब तक 15 स्वर्ण, 22 रजत और 29 कांस्य पदक जीते हैं।



BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT

Timings : 9 am to 7 pm

Head office

SHREE SIDDHIVINAYAK PUBLICATIONS

PLOT No. A-23/5 & 6 2nd Floor,

APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037

City office

SHREE SIDDHIVINAYAK PUBLICATIONS

4th Floor, 19 Towers (T19),

Near Bus Stand, Ranigunj,

Secunderabad - 500 003

8688868345

शुभ लाभ

महारे

भाग्यनगर

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 23 अक्टूबर, 2026

शुभ लाभ

आपकी सेवा में

शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए

मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

दशहरा पर चार नीलकंठ पक्षियों का रेस्क्यू जीएचएसपीसीए की पहल, तीन पक्षी स्वस्थ- घायल पक्षी का उपचार जारी

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। ग्रेटर हैदराबाद सोसाइटी फॉर प्रिवेंशन ऑफ क्रुएल्टी टू एनिमल्स (जीए-चएसपीसीए) की रेस्क्यू टीम ने दशहरा पर्व के दौरान हैदराबाद के विभिन्न क्षेत्रों से चार नीलकंठ (पालपिट्टा) पक्षियों को बचाया। इनमें से तीन पक्षियों को उनके प्राकृतिक आवास में छोड़ने के लिए स्वस्थ घोषित किया गया है, जबकि चौथे पक्षी की चोंच टूटी होने के कारण उसका उपचार जारी है।

तेलंगाना में दशहरा पर्व पर नीलकंठ पक्षी को देखना शुभ माना जाता है और इसका धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व है। हालांकि, इस परंपरा के नाम पर पक्षियों को पकड़कर कैद में रखना उनके प्रति क्रूरता है। इससे पक्षियों को निर्जलीकरण, शारीरिक चोट, भय और



निगरानी की आवश्यकता है। स्वास्थ्य में सुधार होने के बाद ही उसे प्राकृतिक आवास में छोड़ने के संबंध में निर्णय लिया जाएगा।

जीएचएसपीसीए ने आम जनता से अपील की है कि दशहरा पर्व परंपराओं का सम्मान करते हुए करुणा, दया और अहिंसा के साथ मनाएं। सांस्कृतिक परंपराओं एवं धार्मिक मान्यताओं का सम्मान महत्वपूर्ण है, लेकिन किसी जीव को कष्ट पहुंचाकर या कैद में रखकर परंपरा निभाना उचित नहीं है। दशहरा पर्व की सच्ची शुभता सभी जीवों के प्रति दया, करुणा और सम्मान की भावना में निहित है। संस्था ने नागरिकों से आग्रह किया कि नीलकंठ सहित किसी भी जंगली पक्षी को न पकड़ें, न कैद में रखें और न ही उनके साथ किसी प्रकार की क्रूरता करें। पक्षियों की सुंदरता और



भाग्यलक्ष्मी मंदिर की ट्रस्टी सुश्री शशिकला ने गुरुवार को दिव्य साकेतम में परम पूज्य श्री श्री त्रिदंडी श्रीमन्नारायण रामानुज चिन्ना जीवर स्वामीजी से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने 8 नवंबर 2026 को आयोजित होने वाली दीपावली पूजा में शामिल होने के लिए स्वामीजी को सादर आमंत्रित किया।

नीलम विजयवर्गीय ने कहानिस्वार्थ सेवा से मिलता है आत्मिक सुकून

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने गुरुवार को नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नीलम विजयवर्गीय ने सेवा के महत्व पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि निस्वार्थ भाव से जरूरतमंदों की सेवा करने से मन को शांति और आत्मा को सुकून मिलता है। सेवा केवल किसी की आवश्यकता पूरी करने का माध्यम नहीं, बल्कि मानवता के प्रति अपने कर्तव्य को निभाने का श्रेष्ठ मार्ग है।

उन्होंने कहा कि जीवन में वास्तविक आनंद दूसरों के चेहरों पर मुस्कान लाने और उनके दुख-दर्द को कम करने में मिलता है। जब हम बिना



किसी स्वार्थ और अपेक्षा के किसी जरूरतमंद की सहायता करते हैं, तो उससे मिलने वाला आत्मिक संतोष अनमोल होता है। सेवा के लिए धन-संपत्ति से अधिक संवेदनशील हृदय, सहयोग की भावना और समर्पण का भाव आवश्यक है। समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपनी सामर्थ्य के अनुसार सेवा कार्यों में योगदान देकर मानवता की इस भावना को मजबूत बना सकता

है। नीलम विजयवर्गीय ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद नियमित अन्नसेवा के माध्यम से समाज में सेवा, समर्पण और सहयोग के संस्कारों को आगे बढ़ा रहा है। जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराना केवल अन्नदान नहीं, बल्कि उनके प्रति सम्मान, अपनत्व और संवेदना प्रकट करने का माध्यम भी है। ऐसे सेवा कार्य समाज में सकारात्मकता का संसार करते हैं और लोगों को परोपकार के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि सेवा का वास्तविक महत्व तभी है, जब उसमें किसी प्रकार के दिखावे या प्रतिफल की अपेक्षा न हो। सच्ची सेवा वही है, जो दूसरों के जीवन में राहत और प्रसन्नता लाए। मानव सेवा को ईश्वर की आराधना मानते हुए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में सेवा के लिए समय निकालना चाहिए। समाज में प्रेम, सद्भाव और सहयोग की भावना विकसित करने के लिए ऐसे प्रयास निरंतर जारी रहना आवश्यक हैं।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, अनिल अग्रवाल धरशुवाले, नीलम विजयवर्गीय, मीना अग्रवाल, लता गोयल और राजेश सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने सेवा कार्य में सहभागिता निभाते हुए जरूरतमंदों की सहायता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। ग्रुप का उद्देश्य नियमित अन्नसेवा के माध्यम से मानवता की सेवा करना और समाज में निस्वार्थ परोपकार की भावना को प्रोत्साहित करना है।

दुर्गा प्रतिमाओं के स्वागत की व्यवस्था टैंक बंड पर दो दिवसीय स्वागत मंच, श्रद्धालुओं के लिए जलपान का इंतजाम



हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाग्यनगर दुर्गा माता उत्सव समिति के अध्यक्ष डॉ. भगवंता राव ने बताया कि समिति की ओर से 20 और 21 अक्टूबर 2026 की रात टैंक बंड स्थित डॉ. बी.आर. आंबेडकर की प्रतिमा के पास स्वागत मंचों की व्यवस्था की गई। इन मंचों के माध्यम से हैदराबाद और रंगा रेड्डी

पांच वर्षों से इस प्रकार के स्वागत मंच लगाती आ रही है। उन्होंने भाग्यनगर (हैदराबाद) में कथित मलव जिहादफ के बढ़ते मामलों पर चिंता जताते हुए इस प्रवृत्ति को रोकने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने माता-पिता को सतर्क रहने और अपने बच्चों को ऐसे मामलों का शिकार होने से बचाने की सलाह दी। साथ ही, उन्होंने बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखने पर जोर दिया।

कार्यक्रम में जीयागुड़ा डिवीजन के पूर्व पार्षद बोहिनी दर्शन, वरिष्ठ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता मधिरा सत्यनारायण, गोलकोंडा जिला भाजपा सचिव नंडरी नटराज तथा भाजपा नेता व्यास, मोहन गौड़ और सुधाकर गौड़ सहित कई लोग उपस्थित रहे।

पुराने कपड़ों का संग्रहण शिविर आज से



हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी जागृति समिति हैदराबाद के तत्वावधान में पहने योग्य पुराने कपड़ों के संग्रहण शिविर का द्वितीय चरण 23 से 25 अक्टूबर तक प्रतिदिन सुबह 10:30 बजे से शाम 6 बजे तक बाहेती भवन, सिद्धिअंबर बाजार, हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा। समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नवरात्रि उत्सव के दौरान कई परिवारों के व्यस्त रहने और उनके आग्रह पर शिविर का द्वितीय चरण आयोजित किया जा रहा है। शिविर का उद्घाटन श्री अच्युत रामानुजाचार्य अजय महाराज करेंगे। मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध समाजसेवी श्री दिलीप डागा होंगे। विशेष अतिथियों में महेश कोआपरेटिव बैंक के डायरेक्टर मुकुंदलाल बाहेती, श्री गायत्री वेद फाउंडेशन के अध्यक्ष लाल पुरुषोत्तम महाराज, प्रसिद्ध समाजसेवी कमल सोनी तथा लव फॉर फाउंडेशन के ट्रस्टी रिद्धि जागीरदार शामिल होंगे। समिति ने सभी समाजबंधुओं, माताओं और बहनों से अपील की है कि वे अपने परिवारों के पहने योग्य पुराने कपड़े शिविर में जमा कराएं। इसमें धोती, कुर्ता, शर्ट, सफारी सूट, साड़ियां, सलवार-सूट, इस मटेरियल तथा छोटे-बड़े बच्चों के कपड़े दिए जा सकते हैं।

हाइलाइफ फेस्टिव सीजन का आयोजन 27 से



हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। देश के सबसे बड़े फैशन एवं लाइफस्टाइल प्रदर्शनी ब्रांडों में शामिल हाइलाइफ एग्जिबिशन की ओर से फेस्टिव सीजन स्पेशल-2026 का आयोजन 27, 28 और 29 अक्टूबर को हैदराबाद के हाईटेक सिटी स्थित एचआईसीसी, नोवोटेले में किया जाएगा। इस प्रदर्शनी में डिजाइनर वियर, ल्योहारों के विशेष परिधान, फैशन, आभूषण, लाइफस्टाइल उत्पाद और अन्य आकर्षक संग्रह प्रदर्शित किए जाएंगे। गुरुवार को हैदराबाद के बंजारा



अलाई बलाई कार्यक्रम में श्री बंडारू दत्तात्रेय का स्वागत करती हुई भाजपा नेता सपना गुप्ता। इस अवसर पर रचना गुप्ता, वरिष्ठ नेता दयानंद, रजनी, काजल, पाण्डु यादव, महाकाली अध्यक्ष सरला केतनी व अन्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सामूहिक भोजन का आयोजन किया गया तथा सभी ने गाय की पूजा की।



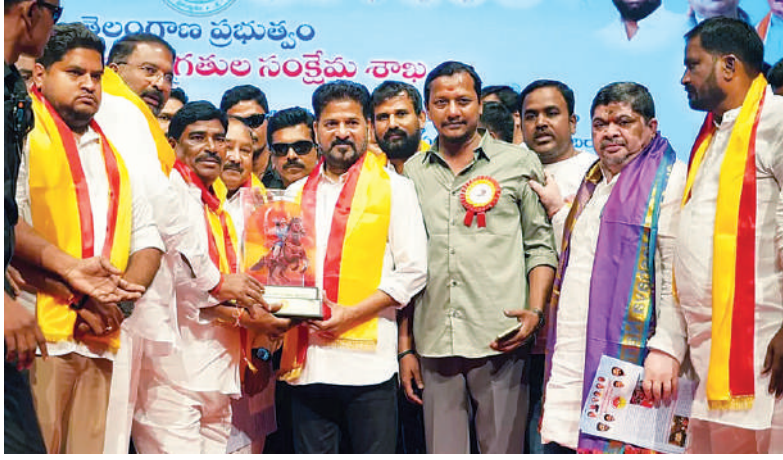
प्रदर्शनी प्रांगण में श्री बंडारू दत्तात्रेय द्वारा आयोजित अलाई बलाई 2026 कार्यक्रम में डॉ. मोहन गुप्ता एवं तेलंगाना भाजपा मेडिकल सेल की वाइस चेयरमैन डॉ. रश्मि काण्डलिकर।



हैदराबाद आगमन पर पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाबचंद कटारिया से मुलाकात कर उनका स्वागत करते हुए भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह।

अगला आम चुनाव निर्णायक : रेवंत रेड्डी

राहुल गांधी को समर्थन देने की अपील, मुदिराज समुदाय को बीसी-ए में शामिल करने के अध्ययन के लिए बनेगी मंत्रिमंडलीय उपसमिति



हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने चेतावनी दी कि देश के लिए अगले आम चुनाव बेहद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में सभी लोगों का राहुल गांधी को पूर्ण समर्थन देना आवश्यक है।

हैदराबाद में गुरुवार को पंडगा सयन्ना मुदिराज की जयंती समारोह में भाग लेते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस महत्वपूर्ण समय में हम सभी को राहुल गांधी के समर्थन में खड़ा होना चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि राहुल गांधी के देश का प्रधानमंत्री बनने पर ही बहुजन समाज के अधिकांश लोगों का सशक्तीकरण संभव होगा।

बीसी-ए में शामिल करने पर अध्ययन

रेवंत रेड्डी ने कहा कि उनकी जन सरकार सभी पिछड़े वर्गों (बीसी) के समुदायों के राजनीतिक सशक्तीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने मुदिराज समुदाय को बीसी-ए श्रेणी में शामिल करने के विषय का अध्ययन करने के लिए मंत्रिमंडलीय उपसमिति गठित करने की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि सटीक आंकड़ों की कमी के कारण मुदिराज समुदाय को बीसी-डी श्रेणी से बीसी-ए श्रेणी में पुनर्वर्गीकृत नहीं किया जा सका। उन्होंने कहा, हम अगली मंत्रिमंडल बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा करेंगे और इस विषय का व्यापक अध्ययन करने के लिए मंत्रिमंडलीय उपसमिति गठित करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके कोडंगल विधानसभा क्षेत्र में मुदिराज समुदाय की आबादी सबसे अधिक है और यह समुदाय अपनी विश्वसनीयता के लिए जाना जाता है। उन्होंने बताया कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी

(पीसीसी) का अध्यक्ष बनने के बाद उन्होंने श्रीहरि मुदिराज को जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) का अध्यक्ष नियुक्त किया, उन्हें चुनाव लड़ने के लिए टिकट दिया और अपनी मंत्रिमंडल में मंत्री भी बनाया।

उन्होंने कहा कि नीलम मधु को भी लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए पार्टी का टिकट दिया गया था। रेवंत रेड्डी ने मंत्री पोमम प्रभाकर को सुझाव दिया कि वह मुदिराज समुदाय को विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) का टिकट देने के विषय को तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बी. महेश कुमार गौड़ के संज्ञान में लाएं।

उन्होंने कहा, यह सुनिश्चित करना मेरी जिम्मेदारी है कि मुदिराज समुदाय सरकार में भागीदार बने। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुदिराज समुदाय को बीसी-ए श्रेणी में शामिल करने को लेकर अन्य जातियों के बीच जो भ्रान्तियां और संदेह हैं, उनका भी समाधान किया जाना चाहिए।

जातिगत जनगणना का उल्लेख

मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार की ओर से कराई गई जातिगत जनगणना का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके आंकड़ों से प्रत्येक समुदाय को अपनी बात अधिक मजबूती से रखने में मदद मिली है। सभी समुदायों से अनुरोध किया गया है कि यदि जनगणना रिपोर्ट में उनकी आबादी के आंकड़े सही नहीं हैं, तो त्रुटियों को सुधारने के लिए पूरा विवरण उपलब्ध कराएं।

उन्होंने कहा कि पहली जातिगत जनगणना ब्रिटिश शासन के दौरान हुई थी। अब कांग्रेस सरकार ने 100 साल बाद सफलतापूर्वक जातिगत जनगणना कराई है। उन्होंने विभिन्न

समुदायों और गरीब वर्गों के लिए शुरू की गई कल्याणकारी योजनाओं का भी उल्लेख किया।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि एन.टी. रामाराव ने दो रुपये प्रति किलोग्राम की दर से चावल वितरण की शुरुआत की थी, जबकि वर्तमान सरकार 3.48 करोड़ लोगों को बढ़िया गुण-वत्ता वाला चावल उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा, हम पिछली सरकार की ओर से शुरू की गई कल्याणकारी पहलों को पहले ही दोगुना कर रहे हैं और हर गांव में इंदिरा आवास बना रहे हैं।

उन्होंने कहा कि एन.टी. रामाराव, एन. चंद्रबाबू नायडू, वाई.एस. राजशेखर रेड्डी और के. चंद्रशेखर राव की ओर से शुरू की गई कल्याणकारी योजनाएं जारी रखी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य के गठन के बाद राज्य के आधिकारिक गीत को भी अपनाया गया।

सयन्ना के संघर्ष को किया याद

मुख्यमंत्री ने तेलंगाना के प्रसिद्ध आंदोलनकारियों चाकली ऐलम्मा, दोड्डा कोमारेया और पंडगा सयन्ना की सेवाओं को याद किया। उन्होंने बताया कि जल्द ही टैंक बंद पर सयन्ना और दोड्डा कोमारेया की प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी।

उन्होंने प्रसिद्ध कवियों गद्दार और आंदेशी के समाजसेवा के प्रति समर्पण को भी याद किया। मुख्यमंत्री ने सयन्ना के संघर्षशील व्यक्तित्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि जब जमींदारों ने उनकी जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की, तब उन्होंने उनके खिलाफ आवाज उठाई।

निजाम शासन के दौरान सामंती जमींदार गरीबों की जमीनों पर कब्जा कर लेते थे। सयन्ना ने वंचित लोगों का साथ दिया और सामंतों के खिलाफ एक समूह भी बनाया।

सयन्ना को गरीब परिवारों की बेटियों की शादियों के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए भी जाना जाता है। जब निजाम की पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया था, तब वनपत्ती की तत्कालीन महारानी ने उनकी रिहाई सुनिश्चित करने के लिए बड़ी रकम अदा की थी।

सयन्ना की अन्यायपूर्ण तरीके से हत्या कर दी गई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी मृत्यु के एक सदी बाद भी बुवाई और फसल कटाई के मौसम में उनके गीत सुनाई देते हैं।

नशामुक्त भारत का संदेश

अलई बलई में सामाजिक सद्भाव और युवा जागरूकता पर जोर



हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नामपल्ली स्थित प्रदर्शनी मैदान में आयोजित वार्षिक अलई बलई समारोह में राज्यपालों, पूर्व संवैधानिक पदाधिकारियों और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने भाग लिया। ज्ञानशामुक भारत, विकसित भारतफ विषय पर आयोजित इस समारोह में सामाजिक सद्भाव, विविधता में

एकता और युवाओं को नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया गया।

समारोह में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल, पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया, पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू, केंद्रीय कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी, पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्त-त्रेय और चंद्र विद्यासागर राव

सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता उपस्थित रहे।

सभा को संबोधित करते हुए किशन रेड्डी ने कहा कि अलई बलई सभी समुदायों का सम्मान करता है और समानता को बढ़ावा देता है। उन्होंने एकता की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए नशामुक्त समाज जरूरी है। उन्होंने हिंदू एकता के

महत्व पर भी जोर दिया और कहा कि देश को धर्मनिरपेक्ष तथा एकजुट बनाए रखने के लिए बहुसंख्यक समुदाय की स्थिति महत्वपूर्ण है।

वेंकैया नायडू ने कहा कि यह आयोजन समाज के विभिन्न वर्गों के बीच मानवीय मूल्यों और आपसी स्नेह को बढ़ावा देता है। उन्होंने लोगों से एकजुट रहने का आग्रह किया।

बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि अलई बलई जाति, धर्म, राजनीति और क्षेत्रीय मतभेदों से ऊपर उठकर लोगों को एक मंच पर लाता है। उन्होंने विजयादशमी को बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक बताया और आशा व्यक्त की कि तेलंगाना तथा आंध्र प्रदेश आपसी सहयोग से प्रगति करेंगे।

समारोह में बथुकम्मा, बोनालु, डप्पू, गुस्साडी और कोलाटम सहित विभिन्न लोक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं। तेलंगाना के पारंपरिक व्यंजन भी लोगों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहे।

इस अवसर पर बंडारू दत्तात्रेय और अलई बलई फाउंडेशन की अध्यक्ष बंडारू विजयलक्ष्मी ने विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों और उपलब्धियां हासिल करने वाले लोगों को सम्मानित किया।

मैद भवन में नवरात्रि उत्सव संपन्न

पूर्णाहुति, भंडारे और विसर्जन यात्रा में उमड़ा उत्साह



हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिखवाल समाज-ब्राह्मणी परिवार के तत्वावधान में फीलखाना स्थित श्रृंग ऋषि भवन में भव्य जागरण एवं प्रसादी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर माता का भव्य दरबार सजाया गया और भक्तिमय वातावरण में माता के भजनों की प्रस्तुति दी गई।

सिखवाल समाज के पूर्व अध्यक्ष हरिकिशन ओझा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जागरण में गायक महावीर उपाध्याय ने माता के भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भावविभोर किया। बड़ी संख्या में भक्तों ने जागरण एवं प्रसादी का आनंद लिया। इस दौरान 550 कन्याओं का पूजन कर उन्हें उपहार भेंट किए गए। कार्यक्रम में संत सेवाराजजी

बापजी मुख्य अतिथि तथा संत राहुलदासजी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर ब्राह्मणी परिवार के अध्यक्ष रंगलाल ओझा, हरिकिशन ओझा, घेवरचंद उपाध्याय, कन्हैयालाल ओझा, बिजराज ओझा, चंपालाल ओझा, रामदयाल ओझा, पवन उपाध्याय, रामचंद्र तिवारी, कन्हैयालाल उपाध्याय, राजेंद्र उपाध्याय, श्रीनिवास पंडित, उदराम ओझा, मोतीलाल तिवारी, गजानंद ओझा, गोकुलचंद उपाध्याय, नारायणलाल व्यास, रामदेव व्यास, रमेश उपाध्याय, सत्यनारायण उपाध्याय, रतन ओझा, नंद उपाध्याय, श्रीराम उपाध्याय, अनिल उपाध्याय, नेमीचंद ओझा, सोहन ओझा, दिनेश ओझा सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

शटर आवंटन में पारदर्शिता की मांग

मदनूर, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर ग्राम पंचायत मुख्यालय में नवनिर्मित शटरों का आवंटन पात्र एवं जरूरतमंद लोगों को करने की मांग को लेकर वार्ड सदस्य संघ के नेताओं और स्थानीय व्यापारियों ने गुरुवार को ग्राम पंचायत सचिव संदीप को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने शटर आवंटन में पारदर्शिता बरतने, स्वरोजगार करने वाले और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को प्राथमिकता देने तथा किसी भी प्रकार के भेदभाव से बचने की अपील की। उन्होंने अधिकारियों और सरपंच से यह भी आग्रह किया कि ग्राम पंचायत के शटर लेकर उन्हें किराये पर देने से हर वर्ष लाखों रुपये कमाने वाले लोगों के मामले पर विचार किया जाए।



हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मैद क्षत्रिय स्वर्णकार समाज, हैदराबाद-सिकंदराबाद की ओर से आयोजित नवरात्रि उत्सव हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। समापन अवसर पर पूर्णाहुति और माता के भंडारे के बाद मंगलवार, 20 अक्टूबर को माता की विसर्जन यात्रा नाचते-गाते और जयकारों के साथ नेकलेस रोड तक निकाली गई। देर रात नेकलेस रोड पहुंचने पर आरती की गई और जयकारों के बीच माता को विदाई दी गई।

समाज के मंत्री द्वारका प्रसाद वर्मा एवं प्रचार मंत्री चंद्रशेखर रोड़ा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पूर्णाहुति राजेश कुमार एवं हिमांशु परवाल सहित समस्त परवाल परिवार, समाज के पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों, महिला समिति और मार्गदर्शक मंडल की सक्रिय उपस्थिति में संपन्न हुई। इसके पश्चात श्रीमान छगनलालजी



परवाल के सहयोग से माता के भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष पवनकुमार मायछ, महामंत्री द्वारकाप्रसाद मायछ, कोषाध्यक्ष युगलकिशोर कडेल, मार्गदर्शक मंडल के हरिकिशनजी मायछ एवं नारायणलालजी कडेल, सहमंत्री विष्णु मायछ, शिक्षा सहायता ट्रस्ट के अध्यक्ष महावीर प्रसादजी कडेल, महामंत्री घनश्याम मायछ, कोषाध्यक्ष दामोदर ढड्डा, भवन मंत्री दामोदर कडेल,

कन्हैयालाल कडेल, कार्यक्रम संयोजक प्रदीप मांडन, राजेश कुमार, राजेश परवाल, मंजूजी परवाल, खिप्पल, भींवराज मायछ, अशोक कुमार, मोसूण, पूनमचंद मायछ, संतोष कडेल, वरिष्ठ समाजसेवी सम्पत कुमार परवाल, श्यामसुंदर परवाल, सुरेशकुमार परवाल, नन्दकिशोर परवाल, कनिष्क परवाल, यशोदा परवाल, हरिकिशन मायछ, पिकी परवाल, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य पंकज वर्मा,

अलाई बलाई एवं भव्य सम्मान समारोह आयोजित

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजेंद्र नगर विधानसभा क्षेत्र के अतापुर स्थित रामबाग के ऐतिहासिक राम मंदिर प्रांगण में बुधवार को अतापुर के बीआरएस नेता वनम श्रीराम रेड्डी के नेतृत्व में अलाई बलाई कार्यक्रम बड़े उल्लास एवं उत्साह के साथ आयोजित किया गया।

इस अवसर पर वनम श्रीराम रेड्डी ने बतुकम्मा की स्थापना कर कार्यक्रम में उपस्थित क्षेत्र के सैकड़ों गणमान्य एवं सम्मानित व्यक्तियों को मंच पर आमंत्रित कर उनका सम्मान किया तथा सभी को दशहरे की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ बतुकम्मा की पूजा-अर्चना की और मंगल गीत गाए। पूरे आयोजन में उत्सव, पारंपरिक संस्कृति और आपसी सौहार्द का वातावरण बना रहा। इस अवसर पर क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।



चम्पादेवी मायछ, अन्नपूर्णा मायछ, सोनाली वर्मा, सूरत से पधारे लालचंद परवाल, बाबूलाल परवाल, गोपाल धुप्पड़, कृष्णा मायछ, योगेश मायछ, राहित मायछ, संदीप वर्मा, सोनू वर्मा, हीरालालजी मायछ, लक्ष्मीजी मायछ, आशीष मायछ, श्रीनिवासजी परवाल, सागर माहोर, विशाल माहोर, सीमा कडेल, सरिता कडेल, ज्योति कडेल, आकाश कडेल, चित्रमयी कडेल, निलेश कडेल, दिनेश मौसूण, मुकेश कडेल, अशोक कुमार कडेल और राजकुमार मौसूण की सक्रिय उपस्थिति रही।

बंगाली कल्चरल एसोसिएशन ने परंपरागत तरीके से मनाया सिंदूर खेला

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बंगाली कल्चरल एसोसिएशन (बीसीए), हैदराबाद की ओर से 20



अक्टूबर को 53वें सार्वजनिक दुर्गा पूजा समारोह के अंतर्गत बंजार फंक्शन हॉल स्थित दुर्गा पूजा पडाल में पारंपरिक सिंदूर खेला उत्सव मनाया गया। इसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत मां दुर्गा की पूजा-अर्चना और भोग अर्पण के साथ हुई। पारंपरिक परिधानों में सजी विवाहित महिलाओं ने मां दुर्गा को सिंदूर, पान के पत्ते और मिठाइयां अर्पित कीं। इसके बाद एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर मिठाइयां बांटीं और सुख-समृद्धि की कामना की। उत्सव में नारी शक्ति, आपसी सौहार्द और सामुदायिक एकता की झलक देखने को मिली। बीसीए अध्यक्ष संजय पान ने बताया कि श्रद्धालु महिलाओं की सुविधा के लिए आयोजन समिति ने बैठने की विशेष व्यवस्था की थी, ताकि वे अपनी बारी का इंतजार आराम से कर सकें। एसोसिएशन की सहायक महासचिव एवं जनसंपर्क समन्वयक डॉ. त्रिशीता मुखर्जी और वरिष्ठ सदस्य रंजीत पॉल ने कहा कि सिंदूर खेला छह दिवसीय दुर्गा पूजा का भावनात्मक और महत्वपूर्ण अनुष्ठान है।

यह महिला एकजुटता, नारीत्व और बंगाली परंपराओं की शक्ति का प्रतीक है। मां दुर्गा की विदाई का यह अवसर श्रद्धालुओं के लिए खुशी के साथ भावुक क्षण भी लेकर आता है।